UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज
सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-241 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) गुरूवार 13 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी डिफेंस कॉरिडोर को बड़ी सौगातः चित्रकूट में बनेगी बीईएल की अत्याधुनिक रक्षा इकाई, 600 करोड़ से ज्यादा का निवेश प्रस्ताव मंजूर

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः उत्तर प्रदेश में रक्षा विनिर्माण को नई गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, श्री एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय अधिकार प्राप्त समिति (एचएलईसी) की बैठक में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के चित्रकूट नोड में अत्याधुनिक रक्षा विनिर्माण इकाई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बीईएल नवरत्न रक्षा सार्वजनिक उपक्रम है और यह परियोजना उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के चित्रकूट नोड को रक्षा उत्पादन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

समिति ने बीईएल को 'लेटर ऑफ कम्फर्ट' प्रदान किए जाने संबंधी प्रस्ताव को निर्धारित प्रक्रियाओं तथा सक्षम स्तरों पर परीक्षण एवं मूल्यांकन के बाद मंजूरी दी है। प्रस्ताव की मंजूरी से चित्रकूट नोड में रक्षा क्षेत्र से जुड़ी औद्योगिक गतिविधियों को और गति मिलने की उम्मीद है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा चित्रकूट नोड में रडार एवं एयर डिफेंस सिस्टम के लिए अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई स्थापित की जाएगी। परियोजना में प्रारंभिक निवेश लगभग ?562.5 करोड़ प्रस्तावित है, जबकि भविष्य की रक्षा परियोजनाओं को शामिल करते हुए कंपनी ने 600 करोड़ से अधिक के समग्र निवेश की योजना प्रस्तुत की है। प्रस्तावित इकाई में क्यूआरएसएएम, कुशा एयर डिफेंस सिस्टम तथा नेक्स्ट जेनरेशन रडार सिस्टम जैसी अत्याधुनिक रक्षा परियोजनाओं के लिए विनिर्माण सुविधाओं के साथ-साथ एक समर्पित एमआरओ सुविधा विकसित किए जाने की योजना है। एचएलईसी द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद इसे अब मंत्रिपरिषद के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी प्राप्त होने के उपरांत उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को औपचारिक रूप से 'लेटर ऑफ कम्फर्ट' जारी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चित्रकूट में उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत विकसित किए जा रहे नोड में 75 हेक्टेयर भूमि पहले ही भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को आवंटित की जा चुकी है। अप्रैल, 2026 में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बीईएल के ट्रस्ट्री श्री मनोज जैन को भूमि आवंटन पत्र सौंपा गया था यह परियोजना बुंदेलखंड के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे 300 से अधिक प्रत्यक्ष उच्च-कुशल रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त रक्षा क्षेत्र से जुड़े एमएसएमई, एंसिलरी इकाइयों तथा स्थानीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में बड़े पैमाने पर अप्रत्यक्ष रोजगार एवं निवेश के अवसर उत्पन्न होंगे। बीईएल की इस परियोजना से चित्रकूट सहित समूचे बुंदेलखंड क्षेत्र में आधुनिक औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होगी। देश के मध्य भाग में रणनीतिक रूप से स्थित चित्रकूट अपनी भौगोलिक उपयुक्तता एवं बेहतर लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी के कारण रक्षा उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। बीईएल का प्रस्तावित निवेश चित्रकूट नोड के लिए एंकर इन्वेस्टमेंट के रूप में कार्य करेगा तथा रक्षा विनिर्माण की पूरी वैल्यू चेन में निजी क्षेत्र और एमएसएमई इकाइयों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा।

अखिलेश के 'पीडीए' पर आकाश आनंद का पलटवार, बोले- सपा के पीडीए का असली मतलब 'पब्लिक डराओ अभियान'

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले को लेकर जुबानी जंग तेज हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से पीडीए की नई व्याख्या में 'पी' का मतलब 'पंडित' बताए जाने के बाद बहुजन समाज पार्टी ने सपा पर निशाना साधा था। अब बसपा प्रमुख मायावती के बयान के बाद आकाश आनंद ने भी समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। आकाश आनंद ने कहा कि समाजवादी पार्टी को सबसे ज्यादा डर बसपा से लगता है और इसी वजह से सपा लगातार पीडीए की बात करती रहती है। उन्होंने तंज कसते हुए पीडीए का नया मतलब 'पब्लिक डराओ अभियान' बताया है।

सपा को सबसे ज्यादा डर बीएसपी से लगता है' आकाश आनंद ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि समाजवादी पार्टी को सबसे ज्यादा डर बीएसपी से लगता है। उनके मुताबिक, इसी वजह से सपा वाले लगातार पीडीए-पीडीए करते रहते हैं आकाश आनंद ने आगे कहा कि पीडीए के मुद्दे पर भी सपा का टिकना मुश्किल है। उन्होंने अपने पोस्ट में मायावती के बयान का समर्थन करते हुए सर्वसमाज के लोगों को सपा की 'छलावापूर्ण' और 'संकीर्ण जातिवादी राजनीति' से सावधान रहने की अपील की। आकाश आनंद ने समाजवादी पार्टी के पीडीए फॉर्मूले पर तंज कसते हुए इसकी नई व्याख्या भी कर दी। उन्होंने लिखा कि सपा के पीडीए का असली मतलब 'पब्लिक डराओ अभियान' है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब उत्तर प्रदेश की राजनीति में पीडीए के सामाजिक समीकरण और उसकी परिभाषा को लेकर सपा और बसपा के बीच बयानबाजी तेज होती दिखाई दे रही है। इससे पहले बसपा प्रमुख मायावती ने अखिलेश यादव की ओर से पीडीए में 'क्ष' का अर्थ 'पंडित' बताए जाने पर सपा पर निशाना साधा था। मायावती ने कहा था कि बसपा 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति और सिद्धांत पर चलने वाली सर्वसमाज हितैषी अंबेडकरवादी पार्टी है। मायावती ने आरोप लगाया कि सपा अपनी संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ के लिए लगातार अपना राजनीतिक रंग बदलती रहती है। मायावती ने पीडीए को लेकर कहा कि सपा पहले इसका अर्थ 'पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक' बताती थी। लेकिन अब अपर कास्ट समाज, खासकर ब्राह्मण समाज के बसपा से जुड़ने का दावा करते हुए सपा ने पीडीए में 'पी' का अर्थ 'पंडित' कर दिया है। बसपा प्रमुख ने इसे सपा की राजनीतिक चाल और छलावे का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी राजनीति से किसी व्यक्ति को कुछ समय के लिए फायदा मिल सकता है, लेकिन इससे पूरे समाज का भला नहीं हो सकता। मायावती ने सर्वसमाज के लोगों से संकीर्ण जातिवादी राजनीति से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज के व्यापक हित के लिए लोगों को ऐसी राजनीति से सतर्क रहने की जरूरत है।

दो साल बाद खुला बड़ा प्लान! 4500 एकड़ में बनेगी नई आवासीय दुनिया, 8 लाख लोगों को मिलेगा ठिकाना

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बढ़ती आबादी और आवास की मांग को देखते हुए शहर के विस्तार की तैयारी तेज हो गई है। मोहनलालगंज क्षेत्र में उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की ओर से दो बड़ी आवासीय योजनाओं को जमीन पर उतारने की कवायद फिर तेज हुई है।

इन योजनाओं के लिए लैंड पूलिंग के जरिए करीब 4500 एकड़ जमीन जुटाने की तैयारी है। योजनाएं पूरी होने के बाद इस क्षेत्र में करीब दो लाख घर विकसित किए जाने की संभावना है। अनुमान है कि इन आवासीय परियोजनाओं में करीब 8 लाख से अधिक लोग रह सकेंगे। इसके साथ ही क्षेत्र में चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवर, अंडरपास और अन्य बुनियादी सुविधाओं का बड़ा नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इन विकास कार्यों पर करीब 25 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान लगाया गया है। अगर प्रस्तावित योजनाएं तय रूपरेखा के मुताबिक आगे बढ़ती हैं

तो मोहनलालगंज आने वाले वर्षों में लखनऊ के बड़े नए आवासीय और शहरी केंद्रों में शामिल हो सकता है। मोहनलालगंज क्षेत्र में भूमि विकास एवं गृहस्थान योजनाओं को लेकर पिछले कुछ समय से प्रक्रिया धीमी थी। अब करीब दो साल बाद इन योजनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में फिर से गतिविधियां तेज हुई हैं। योजना को लेकर नियोजन समिति की बैठक हो चुकी है। इसके बाद किसानों और जमीन मालिकों के साथ भी चर्चा की गई। बताया गया कि 2 से 9 अगस्त के बीच संबंधित किसानों से बातचीत की गई। अब जमीन की दर तय करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इसके बाद किसानों की सहमति के आधार पर लैंड पूलिंग नीति के तहत जमीन जुटाने की प्रक्रिया शुरू होगी। यानी जमीन सीधे पारंपरिक अधिग्रहण के बजाय किसानों की सहमति और तय नियमों के तहत योजना में शामिल की जाएगी। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद की ओर से मोहनलालगंज क्षेत्र में दो अलग-अलग आवासीय योजनाएं विकसित की जानी हैं। दोनों योजनाओं को एक बड़े शहरी विस्तार के तौर पर देखा जा रहा है। मोहनलालगंज की प्रस्तावित योजनाओं को लेकर प्रक्रिया नई नहीं है। योजना संख्या-1 को परिषद की बोर्ड बैठक में 18 अक्टूबर 2023 को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद 18 जनवरी 2024 को मोहनलालगंज की भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना-3 को भी स्वीकृति दी गई। प्रस्तावित योजना-1 गोसाईगंज के आसपास, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और सुलतानपुर रोड से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर विकसित किए जाने की योजना है। इस क्षेत्र की लोकेशन को परियोजना के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यहां पहले से ही प्रमुख सड़कों और एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी मौजूद है। आवास विकास परिषद के लखनऊ जोन के उप आवास आयुक्त चंदन पटेल के अनुसार, किसानों की सहमति के आधार पर जमीन लेने से पहले नियोजन समिति की बैठक हो चुकी है। अब दोनों योजनाओं के लिए लैंड पूलिंग नियम के तहत जमीन जुटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इन दोनों योजनाओं की सबसे बड़ी खासियत इनका विशाल आकार है।

किसानों की आय दुगनी करने का वादा तो हो गया हवा हवाई, जिले के आला प्रशासनिक अधिकारी को प्रति बोरी रकम दिए बिना नहीं बंटती खाद

यूरिया-डीएपी देने के आरोपजिला कृषि अधिकारी डॉ. गगनदीप सिंह की कार्रवाई का निशाना फुटकर ही क्यों?

- थोक में 'ओवररेट' का खेल, फुटकर पर कार्रवाई का डंडा
- गहोई ट्रेडर्स, जगमोहन लाल एंड कंपनी और माँ अक्षरा एजेंसी पर फुटकर दुकानदारों को महंगे दाम पर
- थोक गोदामों की जांच पर उठे सवाल'ऊपर से ही महंगी मिल रही है खाद'- दुकानदारों की सफाई, किसान पूछ रहाः

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। जनपद में यूरिया की बढ़ती मांग के बीच खाद की बिक्री व्यवस्था पर सवाल गहराते जा रहे हैं। किसानों को निर्धारित दर पर खाद उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग फुटकर उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण कर रहा है, लेकिन दूसरी तरफ फुटकर दुकानदारों का दावा है कि उन्हें ही थोक स्तर से यूरिया और डीएपी महंगे दामों पर मिल रही है। ऐसे में सवाल खड़ा हो गया है कि जब थोक में ही खाद महंगी होगी तो फुटकर दुकानदार किसान को निर्धारित दर पर खाद कैसे बेच पाएगा?

जनपद के थोक उर्वरक कारोबार में गहोई ट्रेडर्स, जगमोहन लाल एंड कंपनी और माँ अक्षरा एजेंसी के नाम लेकर फुटकर दुकानदारों और किसानों की ओर से ओवररेट के आरोप लगाए जा रहे हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित विक्रेताओं का पक्ष इस रिपोर्ट के लिए उपलब्ध नहीं है। बावजूद इसके आरोप इतने गंभीर हैं कि कृषि विभाग द्वारा इन थोक विक्रेताओं के गोदामों की जांच कर

वास्तविक स्थिति सामने लाना जरूरी हो जाता है।

फुटकर पर शिकंजा, थोक गोदामों पर खामोशी क्यों?

जिला कृषि अधिकारी डॉ. गगनदीप सिंह द्वारा फुटकर दुकानदारों का निरीक्षण किए जाने की बात सामने आती रही है। स्टॉक, बिक्री और निर्धारित दर की जांच की जा रही है। लेकिन अब सवाल यह है कि क्या यही सख्ती थोक विक्रेताओं पर भी लागू होगी? फुटकर दुकानदारों का कहना है कि यदि थोक डीलर से ही महंगे दाम पर खाद मिलेगी तो निर्धारित दर पर बिक्री करने में उन्हें नुकसान उठाना पड़ेगा। कई दुकानदार किसानों को यही कहते हैं कि 'ऊपर से ही महंगी मिल रही है, मजबूरी में आपको दे रहे हैं।' अगर यह दावा गलत है तो थोक विक्रेताओं के गोदामों की औचक जांच और खरीद-बिक्री के अभिलेखों का मिलान करके स्थिति साफ की जा सकती है। और यदि दावा सही है तो फिर ओवररेट की असली जड़ तक पहुंचना विभाग की जिम्मेदारी है।

स्टॉक रजिस्टर बताएगा असली कहानी

खाद की उपलब्धता को लेकर प्रशासन पर्याप्त स्टॉक होने का दावा कर रहा है, लेकिन किसानों की परेशानी खत्म नहीं हो रही। ऐसे में सिर्फ गोदाम में खाद मौजूद होना पर्याप्त नहीं है। सवाल यह है कि किसके पास कितना स्टॉक है, किस दर पर आया और किस दर पर आगे बेचा गया? थोक डीलरों के गोदामों में मौजूद यूरिया और डीएपी का भौतिक सत्यापन, स्टॉक रजिस्टर, खरीद बिल, बिक्री बिल और फुटकर दुकानदारों को जारी किए गए बिलों का मिलान कराया जाए तो पूरी तस्वीर सामने आ सकती है। यदि किसी थोक विक्रेता द्वारा निर्धारित नियमों से अधिक कीमत पर खाद देने की पुष्टि होती है तो कार्रवाई की जिम्मेदारी भी उसी स्तर पर तय होनी चाहिए। वहीं फुटकर दुकानदार द्वारा नियम तोड़े जाने पर कार्रवाई होना भी जरूरी है।

किसान के हिस्से में क्यों आ रही महंगी खाद?

यूरिया की मांग इस समय तेजी से बढ़ रही है। किसान फसल की जरूरत के लिए खाद लेने बाजार पहुंच रहा है, लेकिन कई जगह उसे कीमत को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसान का कहना है कि प्रशासन एक ओर पर्याप्त स्टॉक की बात कर रहा है और दूसरी ओर बाजार में निर्धारित दर पर खाद आसानी से उपलब्ध नहीं हो रही। किसानों का कहना है कि उन्हें यह जानने में कोई दिलचस्पी नहीं कि खाद थोक में कितने की आई और फुटकर दुकानदार को कितने की मिली। उनकी सीधी मांग है कि खाद निर्धारित दर पर मिले और उन्हें दुकान-दुकान भटकना न पड़े।

'मोटी रकम' के आरोप की भी हो निष्पक्ष जांच

सबसे गंभीर आरोप यह लगाया जा रहा है कि थोक विक्रेताओं पर कार्रवाई इसलिए नहीं हो रही क्योंकि उनकी अधिकारियों से मिलीभगत है और कथित तौर पर लेन-देन होता है। इस आरोप की कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं है, लेकिन यदि ऐसे आरोप सार्वजनिक रूप से उठ रहे हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच कराना प्रशासन के लिए जरूरी है। किसी अधिकारी या थोक विक्रेता के खिलाफ बिना जांच आरोप को सच मानना उचित नहीं होगा। लेकिन जांच न होना भी सवाल खड़े करता है। इसलिए जिला प्रशासन को चाहिए कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर यह स्पष्ट करे कि थोक और फुटकर स्तर पर खाद की बिक्री किस दर पर हो रही है।

अब कार्रवाई की बारी थोक विक्रेताओं की?

अब सबसे बड़ा सवाल जिला कृषि अधिकारी डॉ. गगनदीप सिंह और जिला प्रशासन से है—क्या गहोई ट्रेडर्स, जगमोहन लाल एंड कंपनी और अक्षरा ट्रेडर्स के गोदामों का औचक निरीक्षण होगा? क्या उनके स्टॉक रजिस्टर का मौके पर मौजूद खाद से मिलान कराया जाएगा? क्या खरीद-बिक्री के बिलों की जांच होगी? और यदि ओवररेटिंग की पुष्टि होती है तो क्या थोक डीलरों पर भी वैसी ही कार्रवाई होगी जैसी फुटकर दुकानदारों पर की जाती है? खाद का स्टॉक पर्याप्त होने का दावा तभी मायने रखता है, जब किसान को खाद पर्याप्त मात्रा में और निर्धारित दर पर मिले। वरना गोदाम भरे रहने के बावजूद किसान की परेशानी जस की तस रहेगी। अब देखना है कि कृषि विभाग की जांच फुटकर दुकानों की चौखट से आगे बढ़कर थोक गोदामों तक पहुंचती है या नहीं।

- थोक में कौन तय कर रहा रेट?गोदामों का स्टॉक रजिस्टर और खरीद-बिक्री के बिल खंगाले जाएं तो खुल सकता है खाद की कीमतों का खेल और बड़ा घोटाला

साले की मौत के बाद सलहज से बना लिए थे जीजा ने संबंध, देह मिलन को आता था समय समय पर

- संदूक में छिपा मिला प्रेमी जीजा, फुसफुसाहट ने खोला राज; पत्नी के सामने गिड़गिड़ाता रहा- अब कभी ससुराल नहीं आऊंगा
- अहमदाबाद से 1000 किमी का सफर तय कर आधी रात ससुराल पहुंचा था गोविंद, सलहज के कमरे में छिपकर मिलने पहुंचा
- कमरे से फुसफुसाहट सुनकर घरवालों को हुआ शक, सावन में सलहज के साथ पेंगे बढ़ा रहा था जीजा, आधी रात पकड़ कर रंगे हाथ ससुरालीजनों ने कर दी जमकर पिटाई, जीजा जोकर बन कर रह गया
- हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाया और फिर कभी ससुराल न आने की खाई कसम, तब बचाई अपनी जान
- चार साल पहले सलहज के पति की हो चुकी है मौत, सात-आठ साल से चल रहा था दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग
- घटना बीती रात से ही क्षेत्र में बनी है चर्चा का विषय

(यंग भारत न्यूज)

उरई/कालपी। रात का सन्नाटा था...घर के बाकी लोग सोने की तैयारी में थे। तभी एक कमरे से धीमी-धीमी फुसफुसाहट सुनाई दी। आवाज ने घरवालों के कान खड़े कर दिए। आखिर इतनी रात कमरे के अंदर कौन था? शक हुआ तो दरवाजा खुलवाया गया। कमरे में नजर दौड़ाई, लेकिन वहां कोई दिखाई नहीं दिया। इसके बाद घरवालों ने कमरे की तलाशी शुरू की। इसी दौरान उनकी नजर एक संदूक पर पड़ी। संदूक खोला गया तो अंदर का नजारा देखकर सभी के होश उड़ गए। उसमें कोई सामान नहीं, बल्कि 45 वर्षीय जीजा छिपा बैठा था।

यह हैरान कर देने वाला मामला जिला मुख्यालय उरई से करीब 25 किलोमीटर दूर कालपी कोतवाली क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात अहमदाबाद से करीब 1000 किलोमीटर का सफर तय कर गोविंद निषाद नाम का व्यक्ति सीधे अपनी ससुराल पहुंचा था। उसका मकसद पत्नी की बहन यानी सलहज सावित्री से चोरी-छिपे मिलना था। लेकिन उसकी फुसफुसाहट ने पूरा राज खोल दिया और प्रेम की यह गुपचुप कहानी संदूक से बाहर आ गई।

23 साल पहले हुई थी शादी, तीन बेटियों का पिता है गोविंद

गोविंद निषाद बिजुआपुर, थाना कुठौंद का रहने वाला बताया गया है। करीब 23 साल पहले उसकी शादी मैनूपुर निवासी शकुंतला से हुई थी। दंपती की तीन बेटियां हैं। वहीं, गोविंद के साले रामकेश की शादी करीब 21 साल पहले हुई थी। परिवार के मुताबिक, इसी दौरान गोविंद और रामकेश की पत्नी सावित्री के बीच नजदीकियां बढ़ीं और दोनों के बीच पिछले सात-आठ साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

चार साल पहले सावित्री के पति रामकेश की सांप के काटने से मौत हो गई। इसके बाद परिवार के मुताबिक गोविंद सावित्री और उसके बेटे के खर्च में मदद करने लगा। धीरे-धीरे दोनों के बीच मुलाकातों का सिलसिला भी जारी रहा।

अहमदाबाद से फोन, रात 11 बजे पहुंचा ससुराल

बताया गया कि 11 अगस्त की शाम गोविंद ट्रेन से अहमदाबाद से जालौन पहुंचा। यहां आने के बाद उसने सावित्री को फोन किया और कहा कि रात में मिलने आएगा। रात करीब 11 बजे वह ससुराल पहुंचा। सावित्री ने चुपचाप दरवाजा खोला और गोविंद को अपने कमरे में ले गई।

कुछ देर बाद कमरे से धीमी आवाज में बातचीत और फुसफुसाहट सुनाई देने लगी। घरवालों को शक हुआ तो उन्होंने दरवाजा खुलवाया। कमरे की तलाशी ली गई, मगर गोविंद कहीं नजर नहीं आया। आखिरकार संदूक खोला गया तो उसमें गोविंद छिपा मिला।

जीजा की धुनाई, फिर पत्नी को बुलाया

गोविंद के संदूक में मिलने के बाद घर में हंगामा मच गया। परिजनों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। सावित्री को भी पीटे जाने की बात सामने आई है। इसके बाद गोविंद की पत्नी शकुंतला को फोन कर बुलाया गया। पत्नी के सामने मामला खुलने के बाद उसने भी गोविंद की पिटाई की।

सावित्री के देवर के मुताबिक, इस दौरान गोविंद बार-बार माफी मांगता रहा। वह कहता रहा कि 'अब दोबारा ऐसी गलती नहीं होगी, अब कभी ससुराल नहीं आऊंगा।' बुधवार सुबह पत्नी उसे अपने साथ घर ले गई। आधी रात चोरी-छिपे ससुराल पहुंचने और संदूक में छिपने की यह घटना अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की है कि करीब 1000 किलोमीटर दूर से आया गोविंद आखिर घरवालों की नजर से बचने के लिए संदूक में क्यों जा छिपा—लेकिन कुछ ही देर में कमरे से उठी फुसफुसाहट ने उसके सारे राज खोल दिए।

पिता से मिलने में बाधा और संपत्ति को लेकर आशंका, दो बेटियों ने एसडीएम से लगाई गुहार

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन)। ग्राम जगम्मनपुर निवासी मनीराम की दो पुत्रियां गुड्डी और उर्मिला ने उपजिलाधिकारी माधौगढ़ को प्रार्थना पत्र देकर अपने पिता की सुरक्षा और उनकी भूमि-संपत्ति को लेकर गंभीर आशंका जताई है। दोनों बेटियों का कहना है कि उनके पिता के कोई पुत्र नहीं है और वे ही उनकी दो पुत्रियां हैं। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि उनके चचेरे भाई राकेश उर्फ कल्लू पुत्र राजाराम तथा राजाराम पुत्र शंकर द्वारा पिता मनीराम को अपने प्रभाव व दबाव में रखा जा रहा है। साथ ही दोनों बेटियों के साथ अभद्र शब्दों का प्रयोग करने तथा उन्हें अपने पिता से मिलने में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया गया है। बेटियों ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया तो पिता पर दबाव या प्रभाव डालकर उनकी भूमि-संपत्ति का बैनामा अथवा अन्य दस्तावेज धोखे या अनुचित तरीके से तैयार कराया जा सकता है, जिससे भविष्य में गंभीर विवाद खड़ा हो सकता है।दोनों बहनों ने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच कराने, पिता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उन्हें पिता से मिलने में अनावश्यक बाधा न डालने तथा किसी भी प्रकार के दबाव या धोखाधड़ी की स्थिति में आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

माधौगण कस्बा मैं झोला छाप डॉक्टरों की भरमार

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण जालौन, माधौगण कस्बा मैं आजकल बिना डिग्री के झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार गरीबों का चूस रहे हैं खून जिसकी जांच सक्षम अधिकारियों को सौंपी गई थी एक साल से अधिक हो गया कोई कार्य वाही नहीं की गई केवल जांच चल रही है देखना यह है कि जांच को अपना ठिकाना मिलता है या जांच चलती ही रहेगी जबकि ऐसे मामलों में सरकार को संज्ञान में लेते हुए जांच का दायरा निश्चित किया जाए क्योंकि सालों गुजर जाते हैं और जांच अपने मुकाम तक नहीं पहुंच पाती है वह चलती ही रहती है ऐसे ही कस्बा में अन्य डॉक्टर जैसे बंगाली एवं कमल राय जो बिना डिग्री किये ही खुलेआम अपने को डॉक्टर बता कर डॉक्टरी कर रहे हैं कस्बा के डॉक्टर कमल राय से जब मीडिया कर्मियों ने उनके डिग्री के बारे में जानकारी ली तो उनका कहना था कि हम बिना डिग्री के ही डॉक्टरी कर रहे हैं हमारा यहां पर इतना रुतबा है कि ना तो कोई सांसद ना विधायक और ना ही कोई प्रभारी चिकित्सा निरीक्षक हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है जबकि डॉक्टर साहब को जानकारी भी नहीं है कि किस मर्ज पर कौन दवाई दी जाए फिर भी अपने को डॉक्टर बात कर खुलेआम गरीबों के साथ जिस तरीके से अन्याय हो रहा है जबकि इसकी शिकायत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी मनीष राजपूत से की गई तो उन्होंने शक्त आदेश दिया कि झोलाछाप डॉक्टरो पर सख्त कार्रवाई होगी जबकि कस्बा के झोलाछाप डॉक्टरों ने पहले भी कई मरीजों के ऐसे इंजेक्शन लगाए जिनकी जान पर आफत आ गई और इसका विरोध भी हुआ लेकिन वह अपनी दबंगई की दम पर डॉक्टरी कर रहे हैं

डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब 15 को निकालेगी तिरंगा यात्रा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच स्वतंत्रता दिवस पर डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब तहसील इकाई कोंच द्वारा नगर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी जिसकी तैयारियां जोरो पर चल रही है।डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब तहसील अध्यक्ष अंजनी श्रीवास्तव ने बताया कि तिरंगा यात्रा सरोजनी नायडू पार्क से शाम 4 बजे प्रारंभ होगी जो नगर के मुख्य मार्ग स्टेट बैंक, लवली चौराहा,नई वस्ती,सागर चौकी होते हुए चंदकुआ पहुंचेगी जहां महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा का समापन होगा।अंजनी ने बताया यात्रा में जनप्रतिधि, स्थानीय प्रशासन ,पुलिस अधिकारी के साथ साथ नगर के गणमान्य नागरिक समाजसेवी आदि उपस्थित रहेगे।उन्होने पत्रकार साथियो से यात्रा में शामिल रहने का आव्हान किया।

माधौगढ़ में गैस एजेंसी पर बढ़े रेटो पर दिए जा रहे हैं सिलेंडरः उपभोक्ताओं में भारी रोष, एजेंसी संचालक उपभोक्ताओं को देता है धमकियां

-एसडीएम से कठोर कार्यवाही की मांग

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन): तहसील क्षेत्र के उपभोक्ता स्थानीय गैस एजेंसी की अव्यवस्थाओं और कर्मियों की मनमानी से बेहद परेशान हैं। स्थिति यह है कि घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी आम नागरिकों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है, जबकि सुविधा शुल्क देने वालों को बिना लाइन में लगे तुरंत गैस सिलेंडर मुहैया कराए जा रहे हैं।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि एजेंसी पर तैनात दीपक नामक कर्मी खुलेआम पक्षपात कर रहा है। आरोप है कि जो लोग अनैतिक रूप से 'सुविधा शुल्क' देते हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर दे दिया जाता है। दूसरी ओर, भीषण गर्मी और धूप में घंटों कतार में खड़े आम उपभोक्ताओं को तरह-तरह के बहाने बनाकर टरका दिया जाता है। इस कृत्य से क्षेत्र के गरीब, बुजुर्ग और मेहनतकश लोगों को भारी मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि एजेंसी की इस मनमानी और भ्रष्टाचार की जानकारी होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन मौन क्यों है? क्या जिम्मेदार अधिकारियों को आम जनता की समस्याएं दिखाई नहीं दे रही हैं? प्रशासन की इस शिथिलता के कारण गैस एजेंसी कर्मचारियों के हौसले बुलंद हैं। परेशान उपभोक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि एजेंसी की कार्यशैली में तत्काल सुधार नहीं किया गया और आरोपी कर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो वे चुप नहीं बैठेंगे। क्षेत्र के उपभोक्ता जल्द ही गैस एजेंसी व तहसील मुख्यालय पर उग्र प्रदर्शन और धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी गैस एजेंसी संचालक और स्थानीय प्रशासन की होगी।

भव्य तिरंगा यात्रा में कालपी विधायक प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी के साथ पूजा शुक्ला सम्मलित रही

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन,आज कुठौन्द नगर में हर घर तिरंगा अभियान के आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि कालपी विधायक प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी और पूर्व विधायक संतराम सेंगर के नेतृत्व में मण्डल अध्यक्ष पूजा शुक्ला की महिला मोर्चा टीम के हाथों में तिरंगा, दिल में देशभक्ति और जुबां पर वन्दे मातरम्, भारत माता की जय के जयघोष ने पूरे नगर के वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया कालपी विधायक प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी ने कहा यह यात्रा केवल तिरंगे के सम्मान का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्र प्रथम की भावना को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प है तिरंगे की शान में उमड़ा जनसैलाब यह संदेश दे रहा है कि देश की आन-बान-शान के लिए हर भारतीय सदैव एकजुट है

इस अवसर पर कालपी विधायक प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी, पूर्व विधायक संतराम सेंगर, कुठौन्द प्रधान नरेन्द्र महंत, भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष पूजा शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख प्रेमलता द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य अनुरुद्ध द्विवेदी, जिला मंत्री, विवेक कुशवाहा, निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष अमित नीखरा, मण्डल अध्यक्ष रूद्रप्रताप, महामंत्री शिवम् द्विवेदी, किसान मोर्चा मण्डल अध्यक्ष देवेन्द्र चतुर्वेदी, युवामोर्चा मण्डल अध्यक्ष संदीप त्रिपाठी, पिछड़ा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र निषाद, राहुल सेंगर, हेमू तिवारी, मानवेंद्र सेंगर, पंकज शुक्ला, अजेय शिवम् द्विवेदी, आनन्द द्विवेदी, संजय त्रिपाठी, आकाश दीक्षित, आयुष चतुर्वेदी, कपिल द्विवेदी, अनुराग मिश्रा, ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्तागण एवं नगर के सम्मानित नागरिकों ने सहभागिता की !

नगर चौराहे पर गूंजा तिरंगा, हर घर तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़, जालौन। हर घर तिरंगा अभियान के तहत माधौगढ़ नगर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। नगर चौराहे पर पहुंची यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का उत्साह दिखाया। डीजे पर बज रहे देशभक्ति गीतों और भारत माता की जय, वंदे मातरम् के जयघोष से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया।

यात्रा के दौरान नगरवासियों ने सड़क के दोनों ओर खड़े होकर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ाया गया। युवाओं और भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। तिरंगा यात्रा में भाजपा नेता एवं विधायक मूलचंद निरंजन, ब्लॉक प्रमुख मोहित दोहरे, शिक्षक नेता अशोक राठौर, शीतल कुशवाहा, पूर्व जिला अध्यक्ष उदयन पालीवाल, जगदीश तिवारी, प्रबल प्रताप सिंह, महेश सिंह पतराही, प्रधान प्रतिनिधि शिवराज उर्फ नन्दलाल, पूर्व प्रधान महेश सिंह, बब्लू, रवि राजावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। नगर में निकली इस यात्रा ने लोगों में राष्ट्रप्रेम और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया।

हाथो में तिरंगा और भारत माता की जय वंदेमातरम के जोरदार उद्घोष के साथ नगर में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

जगह-जगह पुष्प वर्षा कर लोगो ने किया यात्रा का स्वागत, जलपान की भी व्यवस्था की गयी यात्रा मार्ग पर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच 'वंदे मातरम' और भारत माता की जय के गगनभेदी उद्घोष के बीच बुधवार को भाजपा कोंच नगर मंडल के तत्वाधान में नगर में भव्य और विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। 110 मीटर लंबा तिरंगा ध्वज तिरंगा यात्रा में आकर्षण का केंद्र रहा। तिरंगा यात्रा में जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं कार्यकर्ता सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े लोग एवं नागरिक शामिल रहे। राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव दिवस का संदेश जन जन तक पहुंचाकर लोगों को राष्ट्रीय पर्व के उल्लास में सहभागी बनाने के उद्देश्य से भाजपा संगठन के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंडल स्तर पर निकाली जा रही तिरंगा यात्रा गल्ला मंडी परिसर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से आरंभ हुई। माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन, उरई सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष/ तिरंगा यात्रा प्रभारी उदयन पालीवाल,शीतल कुशवाहा एवं नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने संयुक्त रूप से तिरंगा ध्वज लहराकर यात्रा का विधप शुभारंभ किया। मारकंडेश्वर तिराहा, रेलवे क्रासिंग, सागर चौकी, चंदकुआं, स्टेट बैंक, छावला की पुलिया से होकर यात्रा भारत माता मंदिर पहुंची जहां स्वतंत्रता की लड़ाई में सर्वस्व न्यौछावर करने वाले माँ भारती के ज्ञात अज्ञात वीर अमर सपूतों को नमन किया गया। तिरंगा यात्रा में शामिल लोग हाँथों में तिरंगा ध्वज थामकर डीजे पर बज रहे देशभक्ति गीतों पर झूमते नाचते और नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। भारत माता एवं महारानी लक्ष्मीबाई के स्वरूप में सजकर बग्घी पर सवार बालिकाएँ आकर्षण का केंद्र बिंदु रहीं। एमपीडीसी महाविद्यालय एवं एसआरपी इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स निर्धारित गणवेश धारण कर कतार में साथ चल रहे थे। सूरजज्ञान और विद्या मंदिर कॉलेज के छात्र घोष वादन करते हुए यात्रा में शामिल रहे। रास्ते में जगह-जगह नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा की गई, साथ ही एसआरपी कॉलेज, बजाज एजेंसी, गहोई भवन आदि स्थानों पर स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।गहोई भवन पर संजय सोनी,सुधीर सोनी, अमित सोनी,धीरज सोनी,सूर्यदीप, गौरव सोनी, मारूतिनंदन आदि ने यात्रा मे शामिल लोगो को जलपान कराया। भारत माता मंदिर पर नगर पालिका परिषद द्वारा फल वितरण किए गए। चंदकुआँ चौराहा स्थित महारानी लक्ष्मीबाई स्मारक पर यात्रा मेंणचल रहे लोगों ने महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। तिरंगा यात्रा के समापन अवसर पर बोलते हुए विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा कि राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्र प्रेम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाने के लिए तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है जिसमें सभी की सहभागिता और सहयोग निश्चित रूप से सराहनीय रहा है। संचालन राजेंद्र दुबे ने किया। इस मौके पर अमित निरंजन, रामलखन औद्यिच्य, सोनू पटेल बोहरा, सत्येंद्र निरंजन शीलू, सुनील लोहिया, मुनिया बसोव, बाबूराम पाल, विपिन पटेल एड, गौरी चबोर, विकास पटेल धनौरा, अवधेश पटेल पचीपुरी, नरेंद्र द्विवेदी, मो वसीम सिद्दीकी, शीतल कुशवाहा, शीतल सिंह सेंगर, वंदना पांचाल, कढोरे बाबूजी, शिवप्रसाद निरंजन, गौरव तिवारी, रामबाबू निरंजन नरी, दीपक गर्ग, सौरभ पुरवार, अनिल अग्रवाल, नरेश वर्मा, अमरेंद्र दुबे,माधव यादव, दंगल यादव आदि सहित कमला नेहरू बालिका विद्यालय, नाथूराम बालिका विद्यालय, एसटीके बालिका विद्यालय, बालिका विद्या मंदिर, अमरचंद माहेश्वरी विद्यालय, एसआरपी विद्यालय, विवेकानंद द ग्लोबल स्कूल, रामस्वरूप रावत इंटर कॉलेज, सरस्वती विद्या मंदिर, सूरजज्ञान स्कूल के विद्यार्थी, प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षकाएं और स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े लोग शामिल रहे।

नगर में खोले गए चार मूंग क्रय केंद्र एक पर खरीद चालू

इस बार 8768 न्यूनतम समर्थन मूल्य पर होगी मूंग की खरीद

(यंग भारत न्यूज)

कोंच लंबे समय से किसानों द्वारा की गई मांग को लेकर कोंच में चार मूंग खरीद केंद्र खोले गए हैं जिसमें से एक केंद्र चालू भी हो गया हैं। इस बार 8768 समर्थन मूल्य खोला गया।कोंच तहसील पिछले कुछ सालों से मूंग उत्पादन के प्रमुख क्षेत्र के तौर पर उभरा है और एक तरह से यह तहसील मूंग के हब के रूप में अपनी पहचान बना रही है लेकिन समय से सरकारी खरीद शुरू नहीं हो पाने के कारण किसान अपनी उपज का अपेक्षित लाभ नहीं ले पा रहे हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ है। मूंग क्रय केंद्र खोलने में इतनी देर की गई है कि ज्यादातर किसानों की मूंग औने-पौने दामों पर मंडी में बिक चुकी है। गल्ला मंडी में बी-पैक्स लिमटेड तीतरा खलीलपुर, बी-पैक्स लिमटेड दिरावटी, बी-पैक्स लिमटेड जुझारपुरा, बी-पैक्स लिमटेड किशुनपुरा के सरकारी मूंग खरीद केंद्र खोले गए है। जिनमें से बी-पैक्स लिमटेड तीतरा खलीलपुर चालू कर दिया गया है। पहले दिन 6 किसान केंद्र पर मूंग लेकर पहुंचे। केंद्र प्रभारी बृजकिशोर ने बताया, अभी तक 50 किसानों ने नंबर लगाए हैं जिनमें से 23 किसानों के रजिस्ट्रेशन हो चुके है। बाकी तीन केंद्र तीन-चार दिन में चालू होने की संभावना है।इस संबंध में उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार यादव ने बताया कि कोंच मंडी में चार मूंग खरीद केंद्र खोले गए है जिनमें से एक केंद्र चालू हो गया है, आईडी में समस्या आने के कारण बाकी केंद्र चालू नहीं हो पाए हैं। जल्द केंद्र चालू के लिए केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं।शीघ्र वह भी केंद्र चालू हो जाऐगे।

सिंचाई बंधुओं की बैठक में किसानों ने उठाईं समस्याएं, निस्तारण की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के जालौन रोड स्थित नहर निरीक्षण भवन के सभागार में सिंचाई बंधुओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के दर्जनों किसानों ने भाग लेकर सिंचाई से जुड़ी अपनी विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। किसानों ने समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराए जाने की मांग की।

बैठक के दौरान किसानों ने नहरों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता, नहरों की साफ-सफाई, क्षतिग्रस्त नहर एवं माइनरों की मरम्मत सहित सिंचाई व्यवस्था से संबंधित कई मुद्दे अधिकारियों के सामने रखे। किसानों का कहना था कि समय पर सिंचाई की समुचित व्यवस्था न होने से उन्हें फसलों की सिंचाई में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नहरों और माइनरों की नियमित सफाई एवं मरम्मत कराई जाए, ताकि टेल तक पानी पहुंच सके और किसानों को निजी साधनों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने लंबित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने की मांग उठाई। बैठक में अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों के निस्तारण का भरोसा दिलाया। साथ ही सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही। बैठक में किसानों के अलावा सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मुखौटा दीर्घा का हुआ भव्य शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

उरई। इन्टैक उरई अध्याय और भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा उरई के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मुखौटा दिवस के अवसर पर एक मुखौटा दीर्घा का आयोजन चूड़ी वाली गली स्थित श्रीमती संध्या पुरवार के निवास पर किया गया। इस दीर्घा का उद्घाटन शंखध्वनि के मध्य माता सरस्वती जी एवं श्री गणेश जी महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर जनपद जालौन के होमगार्ड के जिला कमांडेंट श्री राजेश कुमार यसिंह ने किया ।

दीर्घा अवलोकन के समय मुख्य अतिथि श्री राजेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार की दीर्घाओं से बच्चों के मानसिक विकास को एक नया आयाम मिलता है। मुखौटों का इतिहास भी अत्यंत रोचक एवं प्राचीन है। मुखोटे समाज में अपनी पहचान छुपाने, अनुष्ठानों, सुरक्षा, मनोरंजन और अभिनय का एक अभिन्न अंग है। इस मुखौटा दीर्घा के संयोजक डॉक्टर हरीमोहन पुरवार ने बतलाया कि गूगल के अनुसार इन मुखौटों का इतिहास लगभग 9000 वर्ष पुराना है परंतु अपने भारत में यह आदिकाल से उपयोग में लाये जा रहे हैं। उन्होंने बतलाया कि भगवान श्री राम के समय मारीच राक्षस द्वारा स्वर्ण हिरण का रूप धारण करना तथा भगवान श्री विष्णु के दशावतारों में से श्री नरसिंह अवतार और भगवान श्री शंकर जी द्वारा मानव शरीर पर हाथी का सिर प्रत्यारोपित कर श्री गणेश जी इनका प्रत्यक्ष उदाहरण है। हम सभी यह भी जानते हैं कि अपने भारतीय सेना के वीर जवान दुश्मनों को चकमा देने के लिए उनसे अपने आप को छुपाने के लिए तत भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप अपने चेहरे व अपनी सामग्री को तदनुसार परिवर्तित कर लेते हैं यह भी एक प्रकार से मुखौटा लगाने जैसा उपक्रम है। प्राचीन मेक्सिको में कला और धार्मिक अनुष्ठानों में लगभग 3000 वर्ष पूर्व से उनके उपयोग के प्रमाण मिलते हैं। सदियों से यह मुखोटे हमारे पूर्वजों की आत्माओं का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। असम में मुखौटों का उपयोग पात्रों को जीवंतता प्रदान करने हेतु किया जाता रहा है। यूनान में नाटकों के मंचन में इनका उपयोग होता था। मुखौटों का उपयोग पहचान छुपाने के लिए आमतौर पर किया जाता है। वर्तमान समय में मुखोटे पारंपरिक नृत्य ,कार्निवल , और फैशन के उपयोग में किए जाते हैं। कोविद जैसी महामारी के समय में शारीरिक सुरक्षा हेतु भी इनका बहुतायत में उपयोग किया जाता रहा है ।अपने भारत में नृत्य में कुचिपुरी नृत्य आदि में भी इन मुखौटों का विशेष प्रयोग आदिकाल से होता आ रहा है और वर्तमान में भी हो रहा है । इस मुखौटा दीर्घा में लगभग 50 प्रकार की बॉटल ओपनर भी प्रदर्शित किए गए हैं जिन पर तमाम आदिवासी मुखौटों का अंकन है। इसके साथ ही 25 तरह के मुखौटा युक्त फ्रिज स्टिकर भी प्रदर्शित किए गए हैं। इस दीर्घा में मेक्सिको ,न्यूजी लैण्ड,इजिप्ट , एंडोरना, फिजी आदि देशों के सिक्के प्रस्तुत किए गए जिन पर मुखौटा लगाए हुए मनुष्यों की आकृतियां अंकित हैं। इस दीर्घा मे तमाम सारे डाक टिकट भी प्रस्तुत किये तमाम सारे डाक टिकट भी प्रस्तुत किये गए जिनमें भारत, इंडोनेशिया, थाईलैंड ,थोथ रोम, सिंगापुर, न्यू गुनिया ,मंगोलिया, हंगरी ,उम अल क्यूबेन आदि देशों के डाक टिकट तथा जापान आदि के प्रथम दिवस आवरण भी प्रस्तुत किए गए।दीर्घा में इजिप्ट, उज़्बेकिस्तान आदि के बैंक नोट भी प्रस्तुत किए गए जिन पर मुखौटा लगाए हुए मानव आकृतियों का अंकन है। विश्व प्रसिद्ध माया कैलेंडर का एक धात्विक टोकन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा जिसमें मुखौटा लगाए हुए माया कैलेंडर का केंद्र बिंदु दर्शाया गया है। दीर्घा में मुखौटा अंकित त्रिआयामी भूटान के डाक टिकट भी प्रस्तुत किए गए हैं। दीर्घा में भगवान श्री जगन्नाथ जी, बहिन सुभद्रा जी, बलराम जी के मुखौटे तो सम्मिलित हैं ही उनके साथ में नरसिंह भगवान का गुड़िया स्वरूप राक्षसों का गुड़िया स्वरूप एवं भगवान श्री जगन्नाथ जी श्री गणेश जी आदि के गुड़िया स्वरूप भी प्रदर्शित किए गए हैं। इस मुखौटा दीर्घा में कपाली मुखोटे भी प्रस्तुत किए गए हैं। इन कपाली मुखौटों के साथ-साथ तंजानिया ,पलाऊ, न्यू आइलैंड, कैमरान ,इक्वेटोरियल गुनिया आदि देशों की रजतीय अपरिचालित कपाली सिक्के भी प्रदर्शित किए गए हैं जो की बहुत सुंदर एवं आकर्षक हैं। टेराकोटा वाले कुछ मास्क राजस्थानी मुखोटे वाली कठपुतलियों के साथ धार्मिक मुखोटे जिनमे मां दुर्गा ,मां काली, श्री हनुमान जी श्री गणेश जी आदि के मुखौटे भी प्रस्तुत किए गए हैं। इनके अलावा इस दीर्घा में विभिन्न आकार प्रकार के रंग-बिरंगे कबीलियाई मुखोटे भी प्रदर्शित किए गए ।इस दीर्घा में 17वीं शताब्दी की भगवान श्री नरसिंह जी के चित्र से युक्त मैसूर राज्य की स्वर्ण मुद्रा तथा दक्षिण भारतीय मदुरै राज्य की ताम्र मुद्राएं ,टेंपल टोकेंस आदि विशेष आकर्षण का केंद्र रही ।इसी भांति भगवान श्री जगन्नाथ जी के टेंपल टोकेंस भी बहुत सराहे गए। इस दीर्घा में प्रदर्शित समस्त सामग्री श्रीमती संध्या पुरवार और डा0 हरीमोहन पुरवार के निजी व्यक्तिगत संग्रह से प्रस्तुत की गई।

डॉक्टर हरीमोहन पुरवार, किशोरी शरण शांडिल ने मुख्य अतिथि जिला कमांडेंट श्री राजेश कुमार सिंह को अंग वस्त्र पहना कर स्वागत किया तथा बाद में संध्या पुरवार, उषा सिंह निरंजन , मनीषा द्विवेदी आदि ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया । दीर्घा अवलोकनार्थ प्रदीप पाटकर, माया सिंह, विश्वनाथ पुरवार ,सुनीता राज, मनीषा द्ववेदी ,नवनीत श्रीवास्तव, अय्यूब अहमद खॉ विकास आनन्द,राजकुमार, आदि की विशेष उपस्थिति रही । कार्यक्रम के अंत में सभी आगंतुकों का श्रीमती चंचल मिश्रा द्वारा तिरंगी पट्टिका उढाकर आभार व्यक्त किया गया।

रामपुरा ब्लॉक आफिस के सीसीटीवी में कैद हुई बाइक चोरी, 21 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

- रामपुरा विकासखंड परिसर में दिनदहाड़े चोरी से सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विकासखंड रामपुरा परिसर में दिनदहाड़े बाइक चोरी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद बाइक चोरी हो गई। घटना को करीब 21 दिन बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस अब तक न तो चोरी गई बाइक बरामद कर सकी है और न ही मामले का खुलासा हुआ है।

पीड़ित के मुताबिक बाइक चोरी की पूरी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। इतना ही नहीं, फुटेज के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति की तस्वीर भी निकलवाकर पुलिस को उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसके बावजूद तीन सप्ताह बीतने के बाद भी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी है।

विकासखंड परिसर में प्रतिदिन अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों की आवाजाही रहती है। ऐसे संवेदनशील सरकारी परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद दिनदहाड़े बाइक चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था की गंभीरता पर सवाल खड़ा करता है। वहीं, पुलिस के पास सीसीटीवी फुटेज और संदिग्ध की तस्वीर उपलब्ध होने के बावजूद बरामदगी न होना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। पीड़ित का सवाल है कि जब घटना कैमरे में कैद है और संदिग्ध की तस्वीर पुलिस तक पहुंच चुकी है, तो आखिर उसकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए अब तक क्या कार्रवाई की गई ? क्या पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध तक पहुंचने का गंभीर प्रयास किया या मामला महज जांच के नाम पर लंबित है ? पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर पुलिस की अब तक की कार्रवाई की समीक्षा कराने, जिम्मेदारी तय करने तथा चोरी गई बाइक को जल्द से जल्द बरामद कराने की मांग की है। अब बड़ा सवाल यह है कि रामपुरा पुलिस इस मामले का खुलासा कब तक करती है ? लगातार 21 दिन बीत जाने के बाद भी बाइक बरामद न होने से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। यदि जल्द ही मामले का खुलासा नहीं हुआ तो क्या पुलिस अधीक्षक इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए रामपुरा पुलिस पर कार्रवाई की गाज गिराएंगे, यह देखने वाली बात होगी।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में गंभीरता से सुनीं फरियादियों की समस्याएं

अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्रत्येक शिकायतकर्ता से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्या की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक प्रकरण की मौके पर जांच कर निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राजस्व, विकास, विद्युत, पुलिस, नगर निकाय सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। जिन मामलों में स्थलीय जांच आवश्यक है, उनमें संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर वस्तुस्थिति की जांच करें और नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बने एडवोकेट संजीव कुमार दीक्षित

मानवाधिकार संरक्षण और आमजन को अधिकारों के प्रति जागरूक करना होगी प्राथमिकता

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए एडवोकेट संजीव कुमार दीक्षित को जनपद जालौन का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग चंद्रवंशी द्वारा जारी मनोनयन पत्र में उनकी संगठनात्मक क्षमता, कर्मठता एवं कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मनोनयन के बाद जिला जजी परिसर स्थित जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जहां नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एडवोकेट संजीव कुमार दीक्षित ने पदभार ग्रहण किया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उनका स्वागत कर बधाई दी। प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष संजीव कुमार दीक्षित ने कहा कि भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के मूल उद्देश्यों के अनुरूप जिले में मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए प्रभावी ढंग से कार्य किया जाएगा। साथ ही आमजन को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 'शिक्षा आपके द्वार', 'यातायात जागरूकता अभियान' और व्यापक सदस्यता अभियान उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इसके अलावा संगठन के निर्देशानुसार जिला कमेटी में रिक्त पदों को शीघ्र भरकर कमेटी को पूर्ण किया जाएगा तथा इसकी जानकारी केंद्रीय कार्यालय को भेजी जाएगी। इस अवसर पर जिला विधिक सचिव एडवोकेट नेहा निरंजन, एडवोकेट रितिक दुबे, एडवोकेट अमृता सक्सेना, एडवोकेट दीपक गुप्ता, विभूति वेद, सलिल तिवारी, सौरभ शुक्ला, अमित कुमार, ध्रुव निरंजन सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

दिव्यांगजन शादी-विवाह पुरस्कार योजना का लाभ लेने के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी-विवाह पुरस्कार योजना का लाभ लेने के लिए ऐसे दिव्यांगजन, जिनका विवाह वित्तीय वर्ष 2025-26 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक) अथवा वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 अप्रैल 2026 के बाद हुआ है, विभाग के निर्धारित वेबपोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत ऐसे दंपत्ति जिनमें केवल पति दिव्यांग हैं, उन्हें ?15,000 की प्रोत्साहन राशि, केवल पत्नी दिव्यांग होने पर ?20,000 तथा पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने पर ?35,000 की एकमुश्त पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि दंपत्ति के संयुक्त बैंक खाते में भेजी जाएगी। अधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ लेने के इच्छुक दिव्यांगजन विभाग के वेबपोर्टल स्रद्व14ड्डठ्ठद्दद्वड्डठ्ठ.ह्वश्चद्गस्रष्.द्दश1.द्बठ्ठ पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद 15 दिनों के अंदर आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी समस्त संलग्न अभिलेखों सहित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जालौन, स्थान उरई के कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है। पात्रता एवं आवश्यक अभिलेख: आवेदन के साथ दंपत्ति की संयुक्त नवीनतम फोटो, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र (दंपत्ति में कोई भी आयकरदाता न हो), मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र (दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होना अनिवार्य), राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाते की पासबुक, निवास प्रमाण पत्र, युवक एवं युवती का आयु प्रमाण पत्र तथा दोनों के आधार कार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी। विवाह के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक नहीं और युवती की आयु 18 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अधिकारी ने पात्र दिव्यांगजनों से निर्धारित समय सीमा में ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

डीएम ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका इंटर कॉलेज पिंडारी का किया औचक निरीक्षण

छात्राओं से संवाद कर परखी शैक्षिक गुणवत्ता, गणित व अंग्रेजी पढ़ाकर लिया शिक्षण स्तर का जायजा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका इंटर कॉलेज, पिंडारी का औचक निरीक्षण कर विद्यालय में शैक्षिक, आवासीय एवं खान-पान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रबंधन को छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं तथा सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने छात्राओं से सीधे संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, विषयों की समझ तथा विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कक्षा-कक्ष में पहुंचकर छात्राओं के पठन-पाठन के स्तर को परखा और स्वयं गणित एवं अंग्रेजी विषय पढ़ाकर उनकी शैक्षिक दक्षता का आकलन किया। उन्होंने छात्राओं को नियमित अध्ययन करने, कठिन विषयों पर शिक्षकों से संवाद करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा एवं उनके सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। विद्यालयों में केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना ही उद्देश्य नहीं, बल्कि छात्राओं में आत्मविश्वास, अनुशासन, स्वास्थ्य जागरूकता एवं नेतृत्व क्षमता का विकास भी सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के सभी कस्तूरबा गांधी आवासीय इंटर कॉलेजों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि छात्राओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जाए तथा किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या पाए जाने पर तत्काल आवश्यक उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाए ।जिलाधिकारी ने विद्यालय की रसोई का निरीक्षण कर छात्राओं के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता का भी जायजा लिया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने परिसर में छात्राओं के लिए स्थापित ओपन जिम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने छात्राओं को नियमित व्यायाम एवं शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का विकास होता है। छात्राएं पढ़ाई के साथ-साथ प्रतिदिन व्यायाम एवं खेलकूद को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर की व्यवस्थाओं का समग्र निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्राओं को किसी भी स्तर पर असुविधा न हो और विद्यालय में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, भोजन तथा खेलकूद की व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से संचालित होती रहें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अभिनव यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी आदि सहित सम्बंधित अधिकारी व अध्यापिकाएं मौजूद रहे।

रफ्तार का कहर-लाख प्रयास के वावजूद दुर्घटना में मरने का सिलसिला जारी

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, बच्ची का पैर फ्रैक्चर, पत्नी घायल

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम मिर्जापुरा जागीर निवासी एक व्यक्ति की मध्य प्रदेश में अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हादसे में उसकी पत्नी घायल हो गई, जबकि बच्ची का पैर फ्रैक्चर हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार ग्राम मिर्जापुरा जागीर निवासी शिवराज 36वर्ष बघेल पुत्र रामऔतार बघेल अपनी पत्नी मालती बघेल 33बर्षऔर बच्ची नैंसी 6वर्ष के साथ मध्य प्रदेश के भिंड जिले स्थित अपनी ससुराल जोरे का पुरा जा रहे थे। इसी दौरान जैसे ही वे रौन, जिला भिंड के पास पहुंचे, तभी सामने से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शिवराज गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर एंबुलेंस की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल भिंड पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच कर ग्वालियर के लिए रिफर कर दिया, लेकिन ग्वालियर पहुंचने से पहले ही शिवराज ने दम तोड़ दिया। हादसे में उनकी पत्नी मालती देवी घायल हुई हैं, जबकि बच्ची नैंसी के पैर में फ्रैक्चर बताया गया है। घटना की सूचना पर मध्य प्रदेश पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। बताया गया है कि मृतक की पत्नी मालती देवी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा में एएनएम के पद पर कार्यरत हैं। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही परिवार और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई।

चेहल्लुम के आखिरी बुधवार पर कर्मचारियों का सम्मान, मिठाई खिलाकर बांटे कीमती उपहार

समाजसेवी एवं रोशनी स्टील फर्नीचर के संस्थापक यूसुफ अंसारी के सानिध्य में आयोजित हुआ कार्यक्रम

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। इस्लामिक साल के चेहल्लुम माह के आखिरी बुधवार के अवसर पर रोशनी स्टील फर्नीचर के संस्थापक एवं प्रोपराइटर तथा समाजसेवी युसूफ अंसारी ने अपने प्रतिष्ठान रोशनी स्टील फर्नीचर, उरई में सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में प्रतिष्ठान के कर्मचारियों को सम्मानित करने के साथ मिठाई खिलाकर कीमती उपहार वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान हाफिज शोएब अंसारी ने हजरत दाऊद अलैहिस्सलाम के नाम की फातिहा पढ़ी और दुनिया भर के मजदूरों एवं कर्मचारियों की तरक्की, खुशहाली और सफलता के लिए दुआ की। उन्होंने कहा कि जिस तरह हिंदू धर्म में विश्वकर्मा जयंती मनाकर भगवान विश्वकर्मा को याद किया जाता है, उसी तरह मुस्लिम समाज में हजरत दाऊद अलैहिस्सलाम को याद किया जाता है। मान्यता के अनुसार हजरत दाऊद अलैहिस्सलाम ने लोहे को पिघलाकर औजार बनाने का कार्य किया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोशनी इलेक्ट्रॉनिक फर्नीचर के प्रोपराइटर यामीन अंसारी तथा विशिष्ट अतिथि हाशिम मेंबर रहे। यामीन अंसारी ने कहा कि आज भी समाज में कुछ लोग मजदूरों और कर्मचारियों को हीनभावना से देखते हैं, ऐसे समय में युसूफ अंसारी द्वारा हर वर्ष अपने कर्मचारियों को सम्मानित करना सराहनीय और गर्व की बात है। वहीं युसूफ अंसारी ने सभी अतिथियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारी असली ताकत हमारे कर्मचारी हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मेहनत और पसीने की बदौलत ही प्रतिष्ठान लगातार आगे बढ़ रहा है। जिन्हें आज सम्मानित किया जा रहा है, वे हमारे प्रतिष्ठान की नींव हैं और उनकी मेहनत के बिना व्यापार की सफलता संभव नहीं है। इस अवसर पर रोशनी ग्रुप के आलिम अंसारी, आमिर अंसारी, सकेब अंसारी, फैजान अंसारी, साकिब अंसारी, कय्यूम अंसारी और आरिफ अंसारी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुन्ना अंसारी, संजय श्रीवास्तव, सईम, शहाबुद्दीन, जाबिर, ज्ञानेंद्र, प्रवीण अहिरवार और जमील सहित पांच दर्जन से अधिक कर्मचारियों को सम्मानित कर उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों में उत्साह और खुशी का माहौल रहा।

प्रिंसिपल त्रिवेदी ने दिखाया जज्बा, बहुत षणयंत्र रचाये गए थे मगर हाई कोर्ट ने कर दिए सारे कांटे दूर

- चार्ज लेते ही मरीजों के बीच पहुंचे प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी
- राजकीय मेडिकल कॉलेज के नए प्राचार्य ने लिया इमरजेंसी, ओपीडी और वार्डों का जायजा
- मरीजों और तीमारदारों की समस्याओं को प्राथमिकता से दूर करने के दिए निर्देश
- बोले- मानव सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं, हर मरीज को मिले बेहतर और सुचारु उपचार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई के प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने कार्यभार ग्रहण करते ही व्यवस्थाओं को समझने और मरीजों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए मेडिकल कॉलेज का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने औपचारिकताओं में समय गंवाने के बजाय सीधे मरीजों के बीच पहुंचकर इमरजेंसी, ओपीडी सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक एवं संबंधित स्टाफ भी मौजूद रहा।

निरीक्षण के दौरान प्राचार्य ने मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार व्यवस्था, चिकित्सकों की उपलब्धता तथा मरीजों और तीमारदारों को होने वाली छोटी-बड़ी परेशानियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानीं और संबंधित चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में आने वाला प्रत्येक मरीज बेहतर इलाज और सम्मान का हकदार है। मरीज और उसके तीमारदार को अस्पताल में किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने चिकित्सकों और स्टाफ से कहा कि अस्पताल में आने वाले लोगों के साथ संवेदनशीलता और सहयोग की भावना से व्यवहार किया जाए। प्राचार्य ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है और चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़कर इससे बड़ी सेवा का अवसर नहीं हो सकता। इसलिए सभी चिकित्सकों और कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, जिम्मेदारी और सेवाभाव के साथ करना चाहिए। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं में जहां छोटी-मोटी कमियां नजर आईं, उन्हें दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया। साथ ही मरीजों को समय पर उपचार, आवश्यक जांच और उचित चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने पर जोर दिया। प्राचार्य के पदभार ग्रहण करते ही किए गए इस निरीक्षण को मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं को मरीज-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। उनके अचानक मरीजों के बीच पहुंचने और समस्याओं को स्वयं देखने से अस्पताल के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों में भी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने को लेकर सक्रियता दिखाई दी। डॉ. त्रिवेदी ने स्पष्ट किया कि मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

आधार में त्रुटि है तो नजदीकी जन सुविधा केंद्र पर कराएं निःशुल्क अपडेट, अब हर समस्या का होगा समाधान - डीएम

5 से 7 वर्ष और 15 से 17 वर्ष के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट भी निःशुल्क

-आधार नामांकन, बायोमेट्रिक अपडेट एवं सत्यापन को लेकर डीएम ने दिए प्रभावी निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में आधार नामांकन, आधार में संशोधन एवं बायोमेट्रिक अपडेट, सत्यापन तथा डीबीटी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आधार से जुड़ी सेवाओं का लाभ आमजन को सरल, सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाए।

जिलाधिकारी ने आमजन के हित में कहा कि यदि आधार कार्ड में नाम, पता, जन्मतिथि अथवा अन्य किसी विवरण में त्रुटि है तो उसे सही कराने के लिए अपने नजदीकी जन सुविधा केंद्र पर आधार अपडेट की सुविधा का लाभ उठाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आधार अपडेट एवं नामांकन की प्रक्रिया में आमजन को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि आधार से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभाग प्रभावी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि पात्र व्यक्ति किसी भी जनकल्याणकारी योजना के लाभ से वंचित न रहे। बैठक में बच्चों के आधार अपडेट की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि 5 से 7 वर्ष तथा 15 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट निःशुल्क होता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि निर्धारित आयु वर्ग में पहुंच चुके बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट अवश्य कराएं, ताकि भविष्य में आधार से संबंधित सेवाओं अथवा योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की समस्या न आए। जिलाधिकारी ने 0 से 5 वर्ष तक व 15 से 17 वर्ष के बच्चों के आधार नामांकन में तेजी लाने तथा यूडायस पोर्टल पर लंबित सत्यापनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों के आधार नामांकन को प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभाग लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण करें। उन्होंने आधार नामांकन एवं अद्यतन कार्य के लिए विभिन्न विभागों को आवंटित किट्स की उपलब्धता एवं सक्रियता की भी समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी सक्रिय किट्स का अधिकतम उपयोग करते हुए आमजन को आधार नामांकन एवं अपडेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि आधार सेवाओं में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।जिलाधिकारी ने संदेश दिया कि आधार से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए आमजन परेशान न हों—नजदीकी अधिकृत जन सुविधा केंद्र पर जाकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आधार सेवाओं का लाभ लें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विकास चौधरी, डीएसटीओ नीरज चौधरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल गेट के सामने बालू-गिट्टी माफियाओं के डंप से खतरा, हादसे की आशंका

-इंटरलॉकिंग सड़क के दोनों ओर ओवरलोड ट्रकों से डंप की जा रही बालू, गिट्टी व ईंट

-तेज रफ्तार ट्रैक्टरों से विद्यालय आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। महंत भगवत विशाल इंटर कॉलेज कदौरा के मुख्य गेट के सामने सड़क के दोनों ओर कथित रूप से बालू और गिट्टी माफियाओं द्वारा अवैध रूप से डंप लगाए जाने से विद्यालय के छात्र-छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। आरोप है कि प्रतिदिन 10 से 15 ओवरलोड ट्रक विद्यालय के सामने पहुंचकर इंटरलॉकिंग सड़क के किनारे बालू, गिट्टी और ईंट का डंप कर देते हैं। इसके बाद दिनभर ट्रैक्टरों के माध्यम से इसकी बिक्री की जाती है।

विद्यालय के सामने लगातार ट्रैक्टरों और भारी वाहनों की आवाजाही के कारण छात्र-छात्राओं को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेज रफ्तार ट्रैक्टरों की आवाजाही के बीच कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। यदि समय रहते इन डंपों को हटाकर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक नहीं लगाई गई तो किसी मासूम छात्र-छात्रा की जान भी जा सकती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार लिखित एवं मौखिक रूप से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की जा चुकी है, लेकिन आरोप है कि अब तक समस्या का प्रभावी समाधान नहीं किया गया। इससे विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों में नाराजगी बनी हुई है। वहीं विद्यालय के गेट के ठीक बगल में मौन साधना स्थल का देवस्थान भी स्थित है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु साधना के लिए आते हैं। भारी वाहनों और ट्रैक्टरों की लगातार आवाजाही से श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। विद्यालय प्रबंधन और स्थानीय लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर सड़क किनारे किए गए अवैध डंप हटवाने, भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण लगाने तथा विद्यालय के सामने छात्र-छात्राओं एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

पुलिस अधीक्षक ने थाना आटा का किया आकस्मिक निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई । पुलिस अधीक्षक जालौन विनय कुमार सिंह ने थाना आटा का आकस्मिक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्थाओं एवं अभिलेखों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र, महिला एवं साइबर हेल्प डेस्क तथा एचएस इंडेक्स का निरीक्षण किया। साथ ही थाना कार्यालय में रखे विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन कर उनकी स्थिति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, वांछित अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी तथा अपराध नियंत्रण को लेकर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, महिला संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं तत्परता से निर्वहन करने के साथ ही जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जर्जर सड़क के निर्माण की मांग को मौखरी के ग्रामीणों ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जर्जर सड़क एवं आवागमन की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर सड़क का जल्द निर्माण कराए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि सड़क की हालत खराब होने के कारण ग्रामीणों, किसानों, विद्यार्थियों और राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क लंबे समय से खराब पड़ी है और जगह-जगह गड्ढे होने के कारण आए दिन लोगों को दिक्कत होती है। बारिश के समय स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है तथा सड़क पर जलभराव होने से आवागमन प्रभावित होता है। ज्ञापन में संबंधित अधिकारियों से सड़क की स्थिति का निरीक्षण कराकर आवश्यक कार्रवाई करने तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की गई है। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क का निर्माण होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी और दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को निर्देशित कर जल्द समस्या का समाधान कराने की मांग की है।इस मौके पर प्रमुख रूप से राघवेंद्र मौखरी, राजा यादव, रंजीत गौतम, पंकज फौजी, पुष्पेन्द्र, प्रघुमन, राजकुमार, मंगल सिंह, सचिन, सुनील पाल, नन्ना चौरासी जिलाध्यक्ष मजदूर सभा, रीतेश मौखरी, अमित यादव मौखरी, गोविन्द सिंह मौखरी, अंशुल मौखरी, राजदीप मौखरी सहित आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

कुकुरगांव गौशाला में सीडीओ ने किया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से आज मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह ने कुकुरगांव स्थित गौशाला परिसर में पीपल, पाकड़ एवं आंवला के पौधों का रोपण किया। उन्होंने पौधरोपण के साथ ही रोपित पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल पर विशेष जोर दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने का माध्यम ही नहीं, बल्कि मानव जीवन एवं समस्त जीव-जगत के लिए जीवनदायिनी धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए रोपित पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है।उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि गौशाला परिसर में लगाए गए पौधों की समुचित देखभाल की जाए तथा उनकी नियमित सिंचाई एवं सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गौशाला परिसरों को स्वच्छ, हरा-भरा एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कालपी से जालौन गये तहसीलदार अभिनव तिवारी को दी गई भावविनी विदाई

उरई से कालपी आये तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा का हुआ जोरदार स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी ! आज कालपी लेखपाल संघ के तत्वाधान में कालपी से जालौन स्थानांतरित होकर गये तहसीलदार अभिनव तिवारी को जहां भावभीनी विदाई दी गई! वहीं उरई से आये नवागंतुक तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा का भव्य स्वागत किया गया !कार्यक्रम में मुख्य रूप से कालपी उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य भी मौजूद रहे! मंच में दोनों तहसीलदारों के अलावा नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला, नायब तहसीलदार प्रिंस कुमार आदि भी मौजूद रहे! संचालन सत्येंद्र महान ने किया!

इस मौक़े पर कार्यक्रम को उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने कहा कि हर किसी दिन व्यक्ति कुछ न कुछ सीखता है लेखपाल, कालपी तहसील को अच्छा बनाने हेतु अपने साथी लेखपालों से वार्ता करें, कानूनगो से वार्ता करें, नायब तहसीलदारों से वार्ता करें तहसील दार साहब से वार्ता करें मुझसे भी समय समय पर मिलकर सही हल निकालने का प्रयास करें! इस मौक़े पर कालपी से जालौन गये तहसीलदार अभिनव तिवारी ने भी आभार प्रकट करते हुये कहा कि सभी लेखपाल यदि अपना अपना कार्य समय से पूरा करें तो बोझ नहीं बढ़ेगा पेंडेंसी नहीं रहेगी! सभी कार्य को सिस्टमैटिक करें! समारोह को नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला ने भी सम्बोधित किया! नवागंतुक तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा ने कहा कि हम पूरी जिंदगी कुछ न कुछ सीखते हैं इसलिए सीखते हुये आगे बढ़ें और जो भी काम हो जाने लायक हैं उन्हें समय के भीतर ही काम को पूरा करें! और जो होने लायक नहीं हैं उसके लिए शिकायत कर्ता को समझायें! इस मौक़े पर लेखपालों में तहसील अध्यक्ष जयवीर सिंह, जितेन्द्र सिंह, कमलेश द्विवेदी, सचिन गुप्ता,प्रशांत यादव, आशु राजपूत, नरेश राजपूत, राघवेंद्र निरंजन, विद्यासागर, हेमंत पाल, शिवमंगल पाठक, अमित कुशवाहा, रवि संजय,दर्शन सिंह, मोनू सिंह, मंगल पाल, राजेश पाल, अभिषेक यादव, विभा, सुलेखा, पूर्णिया,सुमित यादव, दीपेश मिश्रा, सोनू भास्कर, भाजपा नेता कन्हैया मिश्रा, कानूनगो चंद्रपाल, सोनी जी, प्रजापति जी के अलावा अधिकांश अमीन मौजूद रहे!

यमुना नदी में कूदने जा रहे युवक की पुलिस ने बचाई जान

(यंग भारत न्यूज)

उरई। थाना कुठौंद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए यमुना नदी में कूदकर आत्महत्या करने जा रहे 19 वर्षीय युवक की जान बचा ली। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की युवक के परिजनों ने सराहना की।

जानकारी के अनुसार, 11 अगस्त की रात थाना कुठौंद पुलिस की टीम संगम बैरियर, औरैया बॉर्डर पर ड्यूटी/चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक यमुना नदी पुल से नदी में कूदने के लिए खड़ा है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी शंकरपुर उ0नि0 रामवीर सिंह हमराह पुलिसकर्मियों के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने युवक को नदी में छलांग लगाने से पहले ही पकड़ लिया और उसकी जान बचाई। पूछताछ एवं काउंसलिंग के दौरान युवक की पहचान सुखदेव पुत्र ध्यान सिंह, उम्र 19 वर्ष, निवासी शाला मंदिर, औरैया के रूप में हुई। युवक ने बताया कि वह घर में हुए पारिवारिक कलह से परेशान होकर यमुना नदी में कूदने का कदम उठाने जा रहा था। कुठौंद पुलिस ने युवक को समझा-बुझाकर उसके भाई आकाश को सकुशल सुपुर्द कर दिया। समय रहते पुलिस की तत्परता से युवक की जान बच गई। युवक के भाई ने जालौन पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

दो पत्नियों वाले आरएएस अफसर को मिली नई जिम्मेदारी, थप्पड़ कांड से आए सुर्खियों में, पहली पत्नी ने किया था बड़ा दावा

(यंग भारत न्यूज)

राज्य सरकार की ओर से जारी 183 आरएएस अफसरों की सूची में उन अधिकारी का नाम भी है जो पिछले साल थप्पड़ कांड से सुर्खियों में आए थे। अपनी पत्नी के साथ कार लेकर वे पेट्रोल पंप पर पहुंचे थे। सीएनजी भरने के दौरान पंप कर्मी से कहासुनी हुई और साहब ने थप्पड़ मार दिया। यह पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हो गया था। जब साहब की हरकत पर सवाल उठे तो उन्होंने सफाई दी कि पंप कर्मी ने उनकी पत्नी के लिए अश्लील इशारे किए थे। इसलिए थप्पड़ मारा। बाद में उनकी एक और पत्नी मीडिया के सामने आई जिसने साहब की करतूतें उजागर कर दी।

आरएएस अफसर से जुड़ा यह थप्पड़ कांड अक्टूबर 2025 का है। प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय पर लोक सेवाएं प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग में तत्कालीन सहायक निदेशक रहे आरएएस अधिकारी छोटू लाल शर्मा ने दीवाली के दिन अपनी पत्नी के साथ गांव जा रहे थे। अजमेर-भीलवाड़ा हाईवे पर स्थित सीएनजी पंप पर पंप कर्मचारी को थप्पड़ जड़ मार दिया था।थप्पड़ मारने का वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों ने अधिकारी का भारी विरोध किया। बाद में सरकार ने छोटू लाल शर्मा को सस्पेंड कर दिया थप्पड़कांड के दौरान छोटू लाल शर्मा की कार में उनकी पत्नी (दूसरी) दीपिका व्यास और दो बच्चे भी थे। घटना के बाद यह सफाई दी गई कि पंपकर्मी ने पत्नी को बुरी नजर से देखा और गलत नियत से अश्लील इशारे करके बुलाया। आरएएस अधिकारी ने जब यह बहाना बनाया तो उनकी पहली पत्नी पूनम मीडिया के सामने आई। उसने कहा कि छोटू लाल शर्मा ने धोखे से तलाक के कागज बनवा लिए और फिर दूसरी शादी कर ली। तलाक की प्रक्रिया गलत तरीके से की गई जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। दूसरी बीबी से उसके दो बच्चे भी हैं। पहली पत्नी पूनम के भी दो बच्चे हैं जो अपनी मां के साथ रहते हैं। पूनम ने कहा कि आरएएस की नौकरी लगने के बाद छोटू लाल ने उसे छोड़ दिया और दूसरी लड़की से गैर कानूनी तरीके से विवाह कर लिया। पहली पत्नी पूनम जखोड़िया का दावा है कि शादी के दस साल बाद छोटू लाल शर्मा का आरएएस में चयन हुआ था। नौकरी लगते ही उसके तेवर बदल गए। बात-बात पर वह झगड़ा करने लगा और मारपीट भी करने लगा। पूनम ने उन दिनों यह भी आरोप लगाया था कि दो बच्चे होने के बावजूद भी छोटू लाल ने उसे धोखा देते हुए चुपके से दूसरी शादी कर ली। पूनम ने यह भी कहा था कि नौकरी लगने के बाद उसका पति महिलाओं से बातें करता था। देर रात तक बाथरूम में छिपकर महिलाओं से बातें करता रहता था। विरोध करने पर मारपीट की जाती थी। मामला सामने आने के बाद सरकार ने आरएएस अधिकारी छोटू लाल शर्मा को 27 अक्टूबर 2025 को सस्पेंड कर दिया था। 18 दिसंबर 2025 को बहाल किया और एपीओ पर रखा गया। करीब छह महीने तक एपीओ रहने के बाद 19 जून को उन्हें महिला एवं बाल विकास विभाग बारां में उप निदेशक के पद पर लगाया गया। पदभार ग्रहण किए हुए पूरे दो महीने ही नहीं हुए। इससे पहले ही उनका ट्रांसफर कर दिया गया। अब राज्य सरकार ने आरएएस छोटू लाल शर्मा को बिजोलिया (भीलवाड़ा) में उपखंड अधिकारी के पद पर लगाया है।

लड़की की वजह से उठाया ऐसा खौफनाक कदम, एक साथ दो घर हुए तबाह, पढ़ें गाजियाबाद फैक्ट्री हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा

(यंग भारत न्यूज)

गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी में एक रेडीमेड गारमेंट्स फैक्ट्री के अंदर हुई कर्मचारी की हत्या ने सनसनी फैला दी। काम के बीच शुरू हुई रंजिश इतनी बढ़ गई कि एक कर्मचारी ने दूसरे की जान ले ली। पुलिस ने बताया कि महिला कर्मचारी से नजदीकी को लेकर आरोपी सर्वेश दर्जी और अनवेश के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोपी ने मौका मिलते ही कैंची से अनवेश के सिर और गले पर कई वार कर दिए। गंभीर चोटों के चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल कैंची भी बरामद कर ली है।

पुलिस पूछताछ में सर्वेश ने बताया कि वह करीब चार साल से फैक्ट्री में काम कर रहा था। अनवेश भी लंबे समय से वहां काम करता था और कर्मचारियों को काम बांटने की जिम्मेदारी संभालता था। इसी दौरान फैक्ट्री में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी से सर्वेश की नजदीकी बढ़ गई। आरोप है कि जब भी वह महिला सर्वेश के पास खड़ी होती, अनवेश उसे वहां से हटा देता था। सर्वेश का कहना है कि कई बार अनवेश ने दूसरे कर्मचारियों के सामने उसकी बेइज्जती भी की। इससे उसके मन में अनवेश के खिलाफ गुस्सा लगातार बढ़ता गया। आरोपी ने पुलिस को यह भी बताया कि फैक्ट्री मालिक भी अनवेश का पक्ष लेते थे, जिससे उसकी नाराजगी और बढ़ गई। 10 अगस्त को सर्वेश ने कथित तौर पर अनवेश पर हमला करने का मौका तलाशा। जब अनवेश कटिंग सेक्शन में अकेला मिला तो सर्वेश ने वहां रखी कपड़ा काटने वाली कैंची उठा ली। इसके बाद उसने अनवेश के सिर और गले पर लगातार कई वार कर दिए। हमले में अनवेश गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस दौरान सर्वेश की अपनी उंगली भी कट गई थी। हत्या के बाद आरोपी कैंची लेकर फैक्ट्री से बाहर निकल गया। कुछ दूर जाने के बाद उसने हथियार झाड़ियों में फेंक दिया और फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद अनवेश के भाई की शिकायत पर ट्रोनिका सिटी थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच शुरू करते हुए आरोपी सर्वेश की तलाश की और उसे हनुमान चौक के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर झाड़ियों से हत्या में इस्तेमाल कैंची बरामद कर ली गई। पुलिस आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। उसे कोर्ट में पेश किया जा रहा है।

डेटिंग ऐप से दोस्ती. फिर एफआईआर का जाल! 14 केसों में वांछित बताई जा रही पल्लवी को लेकर खुल रहे चौंकाने वाले राज

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पल्लवी सिंह उर्फ चीकू सिंह नाम की महिला को लेकर सोशल मीडिया और अलग-अलग रिपोर्टों में कई गंभीर दावे सामने आए हैं। आरोप है कि महिला डेटिंग ऐप के जरिए पुरुषों से संपर्क करती थी और बाद में विवाद होने पर उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज कराने की धमकी देकर कथित तौर पर ब्लैकमेल करती थी।

हालांकि, इन आरोपों में से कई की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और इन्हें फिलहाल आरोप या दावे के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। पल्लवी सिंह का नाम इससे पहले मई 2026 में प्रयागराज के फाफामऊ इलाके में हुए एक हाई-वोल्टेज घटनाक्रम के बाद चर्चा में आया था। उस समय वह कथित तौर पर शिकायत पर मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गई थी। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर उसे समझाने की कोशिश की थी। बाद में उसकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद वह नीचे उतरी। अब उसके नाम से जुड़े कथित मुकदमों और ब्लैकमेलिंग के दावों ने मामले को और चर्चा में ला दिया है। पल्लवी सिंह को लेकर सामने आए दावों में कहा जा रहा है कि वह कथित तौर पर डेटिंग ऐप के जरिए पुरुषों से संपर्क बनाती थी। पहले बातचीत और दोस्ती बढ़ाई जाती थी और बाद में संबंधों में विवाद होने पर गंभीर आरोप लगाकर दबाव बनाने की कोशिश की जाती थी। दावों में रेप और छेड़छाड़ जैसे मामलों का इस्तेमाल करके पुरुषों को कथित तौर पर डराने और उनसे पैसे मांगने की बात कही जा रही है। हालांकि, इस तरह के गंभीर आरोपों को लेकर यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना अपने आप में आरोपों के झूठा या सही होने का प्रमाण नहीं होता। आरोपों की सच्चाई का निर्धारण पुलिस जांच और अदालत की प्रक्रिया से ही हो सकता है। सोशल मीडिया पर वायरल दावों में यह भी कहा जा रहा है कि पल्लवी सिंह ने कथित तौर पर कई पुरुषों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए और उनमें से छह लोगों को जेल तक भिजवाया। कुछ पोस्ट में यह संख्या और मामलों की प्रकृति लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। लेकिन इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध विश्वसनीय स्रोतों से नहीं हो सकी है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि सभी मुकदमे फर्जी थे या सभी मामलों में आरोप गलत पाए गए। प्रत्येक मामले की अपनी अलग जांच और कानूनी स्थिति हो सकती है। पल्लवी सिंह के बारे में एक और बड़ा दावा यह सामने आया है कि वह कथित तौर पर 14 मुकदमों में वांछित है। साथ ही लखनऊ के विभूतिखंड और सुशांत गोल्फ सिटी थानों में भी उसके खिलाफ या उससे जुड़े लोगों के खिलाफ मामलों का जिक्र किया जा रहा है। लेकिन इस दावे की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। इसलिए इसे आधिकारिक पुलिस रिकॉर्ड से पुष्टि होने तक निश्चित तथ्य के रूप में पेश करना उचित नहीं होगा। अगर पुलिस रिकॉर्ड में वास्तव में उसके खिलाफ इतने मामले दर्ज हैं, तो संबंधित मुकदमों की धाराएं, वर्तमान स्थिति और अदालत में उनकी स्थिति ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट कर सकती है। पल्लवी सिंह का नाम मई 2026 में प्रयागराज के फाफामऊ इलाके में हुए एक हाई-वोल्टेज ड्रामे के कारण प्रमुखता से सामने आया था। रिपोर्टों के मुताबिक, वह अपनी शिकायत पर कार्रवाई की मांग को लेकर करीब 50 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गई थी। मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी और पुलिस को उसे सुरक्षित नीचे उतारने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। हिन्दुस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर उसे समझाने का प्रयास किया था

महेंद्र निकला शाहरुख! फर्जी नाम बताकर टीसीएस महिला अधिकारी से दोस्ती, फिर निजी फोटो-वीडियो की धमकी; आरोपी अरेस्ट

मध्य प्रदेश के देवास जिले में टीसीएस (टीसीएस) की एक महिला अधिकारी से धोखाधड़ी, दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है. पीड़िता ने एक युवक पर अपनी पहचान छिपाकर दोस्ती और फिर शादी का झांसा देने, प्राइवेट फोटो-वीडियो के जरिए धमकाने के साथ-साथ पैसे वसूलने के आरोप लगाए हैं.शिकायत के बाद देवास पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

पीड़िता के अनुसार, उसकी पहली मुलाकात आरोपी से पुणे के एक रेस्टोरेंट में हुई थी. आरोप है कि युवक ने उस समय अपना नाम 'महेंद्र सिंह चंद्रावत' बताया था और खुद को देवास का कारोबारी बताया. उसने प्रॉपर्टी और ई-कॉमर्स से जुड़े कारोबार की जानकारी भी दी थी. पीड़िता के मुताबिक, कुछ समय बाद आरोपी ने उससे शादी करने की इच्छा जताई, लेकिन उसने प्रपोजल एक्सेप्ट नहीं किया. इसके बावजूद भी दोनों के बीच दोस्ती रही. आरोप है कि बाद में आरोपी उसे देवास में अपने घर ले गया, जहां जबरन उसके साथ रिलेशन बनाए गए. पीड़िता का कहना है कि बाद में उसे आरोपी की असली पहचान शाहरुख बेग होने की जानकारी मिली. इसके बाद उसने उससे दूरी बनाने की कोशिश की. आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसके प्राइवेट फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया. पीड़िता ने दावा किया कि फोटो-वीडियो फैलाने की धमकी देकर उससे करीब 8 से 10 लाख ऐंठ लिए गए. उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके नाम पर कुछ लोन और मोबाइल फोन लिए गए, जिनकी इंस्टॉलमेंट्स अब उसे चुकानी पड़ रही हैं. पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि संदिग्ध लेन-देन के कारण उसके दो बैंक खाते फ्रीज हो गए. शिकायत करने की बात कहने पर आरोपी ने पीड़िता और उसके परिवार के सदस्यों को धमकी दी है. वहीं, परिवार ने मदद के लिए राजपूत करणी सेना के कार्यकर्ताओं से संपर्क किया. कार्यकर्ताओं ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया. इसके बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. फिलहाल, पुलिस आरोपों की जांच कर रही है और लेन-देन, बैंक खातों, फोटो-वीडियो और पीड़िता के नाम पर लिए गए लोन से जुड़े फैक्ट्स की भी जांच कर रही है. इस मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी.

पूरे देश में बुलडोजर ऐक्शन की तैयारी, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश; ये इमारतें टूटेंगी

(यंग भारत न्यूज)

देश भर में वर्षों से बड़े पैमाने पर हो रहे अनाधिकृत निर्माण और नियमों की अनदेखी कर रिहायशी इलाकों में चल रही वाणिज्यिक गतिविधियों पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रूख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली, पटना, लखनऊ और अन्य शहरों के ऐसे मामलों में युद्ध स्तर पर कार्रवाई का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद इन शहरों में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ और सीलिंग की कार्रवाई हो सकती है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि दिल्ली के होटल और लखनऊ के कोचिंग सेंटर में लगी आग से बड़े पैमाने पर लोगों की मौत हुई। आदेशों के बाद भी लाजपतनगर और सरोजनीनगर मार्केट में नियमों की अनदेखी और किसी अनहोनी का पता लगाने के लिए सर्वे का काम शुरू नहीं किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद को आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने नौ जुलाई को नियमों की अनदेखी और संरचनाओं की मजबूती का पता लगाने के लिए आईआईटी दिल्ली के दो प्रोफेसर और अन्य लोगों की कमेटी बनाने को कहा था, जो नहीं हो पाया। इस पर अदालत ने नाराजगी जाहिर की। पटना नगर निगम की ओर से दाखिल एक नए हलफनामा में कहा गया है कि पिछले आदेश पर किए गए सर्वे के बाद तक कुल 26 हजार 746 ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें रिहायशी संपत्ति का इस्तेमाल वाणिज्यिक कामों के लिए किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पांच अगस्त को पारित आदेश में कहा था कि यह आंकड़ा साफ दिखाता है कि संबंधित नगर आयुक्तों ने अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह लापरवाही बरती है। पीठ ने कहा कि जब तक इस अदालत ने मामले पर संज्ञान नहीं ले लिया, तब तक पटना नगर निगम को भवन निर्माण नियमों के इतने बड़े पैमाने पर उल्लंघन और उल्लंघन करने वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। पूर्व निगमायुक्त पराशर ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामा में कहा है कि उनके कार्यकाल में नगर निगम के नियमों के उल्लंघन से जुड़े लगभग 500 मामले सामने आए। इनमें से 81 में स्वत: संज्ञान लिया गया और 129 में आदेश पारित किए गए। उन्होंने 397 से अधिक शिकायतों और 22 अन्य मामलों पर कानून के अनुसार कार्रवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगभग चार साल तक पद पर रहने वाले अधिकारी के लिए ऐसे आंकड़ों में हमें कोई उचित कारण नजर नहीं आता। पीठ ने पूर्व निगमायुक्त रहे पराशर को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि पटना नगर आयुक्त के तौर पर उनके कार्यकाल में ऐसी लापरवाही के लिए कार्रवाई क्यों न की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को शहर में नियमों की अनदेखी कर हुए निर्माण और रिहायशी इलाकों/संपत्तियों में चल रहे वाणिज्यिक गतिविधियों का पता लगाने के लिए दिल्ली की तरह सर्वे का आदेश दिया है। एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने पीठ को बताया कि 51 संपत्तियों की पहचान की गई है और कार्रवाई शुरू कर दी गई है, जिसे बिना किसी देरी के तार्किक नतीजे तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने हलफनामा दाखिल कर यह भी बताया गया है एलडीए के पूरे अधिकार क्षेत्र में फॉलोअप का काम युद्धस्तर पर जारी रहेगा और इसे तीन सप्ताह में पूरा किया जाएगा।

गोरखपुर में शिवकुमार तिवारी की तलवार से काटकर हत्या! पूरी घटना का वीडियो वायरल, इलाके में तनाव

गोरखपुर में शिवकुमार तिवारी की निर्मम हत्या के बाद इलाके में तनाव का माहौल है. घटना से जुड़ा पूरी वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक तलवार से शिवकुमार तिवारी पर हमला करता दिखाई दे रहा है.घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है, वहीं वारदात को लेकर इलाके में आक्रोश भी देखने को मिल रहा है.सामने आये वीडियो में एक युवक तलवार लेकर शिवकुमार तिवारी पर हमला करता हुआ दिखाई दे रहा है. वीडियो में घटनाक्रम बेहद भयावह नजर आ रहा है. वारदात के दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बनता दिखाई देता है. घटना के बाद शिवकुमार तिवारी की मौत हो गयी. वीडियो सामने आने के बाद मामले की गंभीरता और बढ़ गयी है. पुलिस की ओर से घटना के वीडियो और उससे जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है. हत्या की खबर फैलते ही इलाके में तनाव की स्थिति बन गयी. बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गये. घटना को लेकर लोगों में नाराजगी है. स्थिति को देखते हुए पुलिस-प्रशासन की ओर से इलाके में निगरानी बढ़ाये जाने की बात सामने आ रही है. शिवकुमार तिवारी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. परिवार की मांग है कि घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये और उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाये. पूरी घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस जांच के लिए अहम सुराग मिलने की उम्मीद है. वीडियो में दिखाई दे रहे युवक और घटनाक्रम से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है. पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि हत्या के पीछे क्या वजह थी और वारदात में कितने लोग शामिल थे. शिवकुमार तिवारी की हत्या के बाद प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं. खास बात यह है कि घटना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर में हुई है. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि अगर गोरखपुर में ही इस तरह की वारदात होती है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सरकार की व्यवस्था कितनी प्रभावी है. घटना को लेकर सामने आयी राजनीतिक प्रतिक्रिया में ब्राह्मण समाज से जुड़ी घटनाओं पर भी सवाल उठाये गये हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पूछा गया है कि ब्राह्मण समाज के खिलाफ होने वाली घटनाओं पर उनकी चुप्पी आखिर क्यों है ? साथ ही सरकार से मांग की गयी है कि मामले में किसी तरह का दबाव या भेदभाव किये बिना आरोपियों के खिलाफ तत्काल और निष्पक्ष कार्रवाई की जाये. फिलहाल इस मामले में पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर सबकी नजर है. हत्या की वजह, हमलावरों की पहचान और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका जांच का विषय है. शिवकुमार तिवारी के परिवार को न्याय और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग के बीच गोरखपुर की इस वारदात ने कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है.

उज्बेकिस्तान की लोला गिरफ्तार, लखनऊ में चला रही थी सेक्स रैकेट का धंधा : प्लास्टिक सर्जरी से चेहरा बदलकर 1 साल तक पुलिस को देती रही चकमा

(यंग भारत न्यूज)

89 साल की उम्र में 29 साल की दिखने के लिए लोला ने प्लास्टिक सर्जरी से चेहरा बदला। लखनऊ से उज्बेकिस्तान की महिला सेक्स रैकेट केस में गिरफ्तार। राजधानी लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देह व्यापार यानि सेक्स रैकेट का सिंडिकेट चलाने वाली उज्बेकिस्तान की नागरिक लोला कायूमोवा को लखनऊ पुलिस और खुफिया एजेंसी (आईबी) की टीम ने मंगलवार (11 अगस्त) देर शाम मैक्स अस्पताल के पास से गिरफ्तार कर लिया है।

वह लखनऊ में सेक्स रैकेट चलाने के मामले में पिछले एक साल से लगातार फरार चल रही थी। पुलिस से बचने के लिए उसने बहुत ही शातिर तरीका अपनाया और प्लास्टिक सर्जरी करवाकर अपना पूरा चेहरा और हुलिया ही बदल लिया था। गिरफ्तारी के बाद उसे सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस अब उससे गहन पूछताछ कर रही है ताकि इस बड़े नेटवर्क से जुड़े अन्य राज भी सामने आ सकें। यह पूरा मामला जून 2025 में पहली बार सामने आया था। उस समय पुलिस और एफआरआरओ की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर के एक फ्लैट में उज्बेकिस्तान की कुछ युवतियाँ अवैध रूप से रह रही हैं। उन्नीस जून की रात को पुलिस और एफआरआरओ की टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी स्थित ओमेक्स आर-वन और न्यू हजरतगंज के एक अपार्टमेंट पर छापा मारा था। वहाँ से नीलोफर और होलिडा नाम की दो विदेशी उज्बेकिस्तानी युवतियों को पकड़ा गया था। ये दोनों युवतियाँ बिना वैध पासपोर्ट और वीजा के भारत में रह रही थीं। जब पुलिस ने इन दोनों युवतियों से कड़ाई से पूछताछ की, तब जाकर लखनऊ में विदेशी युवतियों को ठहराने और सेक्स रैकेट चलाने वाले इस बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ था। पुलिस की शुरुआती जाँच में यह बात सामने आई कि पकड़ी गई दोनों युवतियाँ बिना पासपोर्ट और वीजा के भारत में रह

रही थीं और लोला उनसे मसाज पार्लर में काम करवाती थी तथा वहीं से उनकी बुकिंग भी करती थी। जब पुलिस ने इस मामले में लोला की तलाश शुरू की, तो उसे अपनी गिरफ्तारी की भनक लग गई और वह तुरंत मौके से फरार हो गई। पुलिस से बचने के लिए उसने अपनी उम्र और पहचान छुपाने का खौफनाक रास्ता चुना। 89 साल की उम्र में 29 साल की दिखने की चाहत रखने वाली लोला ने अपनी पहचान पूरी तरह छिपाने के लिए अहिमामऊ की मिनर्वा क्लीनिक के डॉक्टर विवेक गुप्ता की मदद ली थी। उसने अपने चेहरे, होंठ, अंडरआर्म्स और प्राइवेट पार्ट समेत कुल 7 बार प्लास्टिक सर्जरी कराई थी। डॉक्टर पर भी बिना पासपोर्ट और वीजा की जाँच किए मोटी रकम लेकर सर्जरी करने और फर्जी पनाह देने के गंभीर आरोप हैं। हाई-प्रोफाइल सेक्स रैकेट चलाने वाली लोला नेपाल और उज्बेकिस्तान से अवैध रूप से विदेशी महिलाओं को भारत लेकर आती थी। वह लखनऊ में डॉक्टर की मदद से महिलाओं की प्लास्टिक सर्जरी कराकर उनका हुलिया बदलवाती थी और शहर के पॉश इलाकों के फ्लैटों में रखकर उनसे देह व्यापार का गंदा धंधा करवाती थी। जून 2025 में विदेशी महिलाओं के पकड़े जाने के बाद से ही लोला पूरी तरह से अंडरग्राउंड हो गई थी। इसके बाद भी वह लखनऊ में ही छुपी रही और चोरी-छिपे अपना यह अवैध धंधा लगातार बढ़ाती रही। वह बार-बार अपने ठिकाने बदलती थी ताकि पुलिस या जाँच एजेंसियों की पकड़ में न आ सके। जाँच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, लोला के फर्जीवाड़े की एक के बाद एक कई परतें खुलकर सामने आने लगीं। पुलिस और स्थानीय खुफिया इकाई को पूरी तरह से गुमराह करने के लिए लोला ने एक फर्जी मैरिज सर्टिफिकेट तैयार करवाया था। इसी फर्जी मैरिज सर्टिफिकेट के आधार पर उसने अपना पहचान पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस भी बनवा लिया था। जिस व्यक्ति को उसने अपने मैरिज सर्टिफिकेट में पति दिखाया था, वह असल में उसका एक ग्राहक था जो बाद में उसके इस काले धंधे में शामिल हो गया था। वह अपने ही फ्लैट पर इस धंधे को करवाने में लोला की मदद करता था।

वनडे वर्ल्ड कप 2027: 10 टीमों को सीधा टिकट, वेस्टइंडीज को खेलना होगा क्वालीफायर

नई दिल्ली

आईसीसी पुरुष वनडे वर्ल्ड कप 2027 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और इसके लिए डायरेक्ट क्वालीफाई करने वाली 10 टीमों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। आयरलैंड को तीसरे वनडे मैच में 3 विकेट से हराकर अफगानिस्तान ने इस मेगा इवेंट के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाली 10वीं टीम बनने का गौरव हासिल किया है। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने आईसीसी वनडे रैंकिंग और क्वालीफिकेशन चक्र में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए विश्व कप का सीधा टिकट पक्का कर लिया।

10 टीमें हुई वर्ल्ड कप के लिए पक्की

2027 में होने वाला यह वनडे वर्ल्ड कप दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे की सह-मेजबानी में खेला जाएगा (साथ ही नामीबिया भी सह-मेजबान है)। मेजबान देश होने के नाते दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को इस टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिला है। इनके अलावा आईसीसी वनडे रैंकिंग और तय कट-ऑफ के आधार पर भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और बांग्लादेश ने भी मुख्य दौर में अपनी जगह पक्की कर ली है। अफगानिस्तान के जुड़ने से अब सीधे क्वालीफाई करने वाली टीमों की सूची पूरी हो चुकी है।

विश्वकप की 10 टीमें

- ऑस्ट्रेलिया
- भारत
- न्यूजीलैंड
- पाकिस्तान
- श्रीलंका
- इंग्लैंड
- बांग्लादेश
- अफगानिस्तान
- दक्षिण अफ्रीका
- जिम्बाब्वे

अफगानिस्तान ने लपका वर्ल्ड कप का टिकट

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया

बेलफास्ट। अफगानिस्तान ने राशिद खान के ऑलराउंड खेल के दम पर आयरलैंड को तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 31 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हराकर अगले साल अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली। आयरलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.3 ओवर में 206 रन बनाकर आउट हो गई। एक समय उसका स्कोर आठ विकेट पर 128 रन था। इसके बाद लोर्कन टकर (36) और जय मुड़ा (31) ने नौवें विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। अफगानिस्तान की तरफ से राशिद ने 44 रन देकर तीन और फरीद अहमद ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए।

राशिद ने खेली हरफनमौला पारी

इसके जवाब में अफगानिस्तान सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के 71 रन के बावजूद 6 विकेट पर 164 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था। राशिद ने यहाँ से मोर्चा संभाला और 43 गेंद पर नाबाद 37 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आयरलैंड की तरफ से होम ने 34 रन देकर चार विकेट लिए। अफगानिस्तान ने इस जीत से पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इससे अफगानिस्तान विश्व कप के लिए स्वतः क्वालीफाई करने वाली आठवीं टीम बन गई है। इन दोनों टीम के बीच पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि अफगानिस्तान ने दूसरा मैच 92 रन से जीता था।

खबर संक्षेप

जीएफआई ने किया आशीष कुमार को बाहर

नई दिल्ली। भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ (जीएफआई) ने चयन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की शिकायतों का जवाब देते हुए, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता आशीष कुमार को अपने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों (एसओएम) की सूची से हटा दिया है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अनुसार एसओएम में शामिल होने वाले खिलाड़ियों का पद के लिए आवेदन करने से कम से कम एक वर्ष पहले संन्यास लेना आवश्यक है। आशीष और एक अन्य जिम्नास्ट आदित्य राणा ने अप्रैल-मई में भुवनेश्वर में एक घरेलू प्रतियोगिता में भाग लिया था। उन्हें जीएफआई की 'अस्थायी' एसओएम सूची में शामिल किया गया था। मंत्रालय ने जीएफआई से उन शिकायतों पर जवाब मांगा था, जिनमें कहा गया था कि चयन मानदंड पूरा नहीं करने के बावजूद उन्हें सूची में शामिल किया गया था।

ग्लास्गो कॉस्मिक के लिए खेलेंगे जेसन रॉय

ग्लास्गो। इंग्लैंड के अनुभवी सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय को ग्लास्गो कॉस्मिक ने पहले यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। 36 वर्षीय खिलाड़ी इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है हालांकि उन्होंने 2023 के बाद अपने देश की तरफ से कोई मैच नहीं खेला है। वह प्रथम श्रेणी और पेशेवर टी20 लीग क्रिकेट में सक्रिय है। शीर्ष क्रम के आक्रामक बल्लेबाज रॉय का टी20 में स्ट्राइक रेट 137 का है। रॉय ने कहा, 'जब कप्तान ने मुझे फोन करके पूछा कि क्या मैं उपलब्ध हूं, तो मैं बहुत उत्साहित हो गया और मैं तैयार था। मैं ग्लास्गो कॉस्मिक की तरफ से खेलने और इस रोमांचक सफर का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्सुक हूं।' टीम के प्रिंसिपल और सीईओ राशिद अली खान ने कहा, 'जेसन अपनी पीढ़ी के सबसे कुशल खिलाड़ियों में से एक हैं, जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। उनके अनुभव का हमारी टीम को काफी फायदा मिलेगा।'

राष्ट्रमंडल तलवारबाजी भारत ने जीते 7 पदक

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों ने नाइजीरिया में चल रही अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए प्रतियोगिता के दूसरे दिन 7 और पदक अपने नाम किए। भारत ने प्रतियोगिता के पहले दिन ही 4 स्वर्ण सहित कुल 17 पदक जीतकर पुरुष और महिला व्यक्तिगत स्पर्धाओं में अपना दबदबा कायम किया था। भारतीय खिलाड़ियों ने सीनियर व्यक्तिगत वर्ग की महिला सेबर, महिला एपी और पुरुष फॉयल स्पर्धाओं में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीते। सीनियर महिला एपी स्पर्धा में तनिष्का खत्री ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी साथी खुशी दाभाडे ने रजत पदक अपने नाम किया।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम ने बहाया पसीना

कोलंबो में टीम इंडिया का आखिरी नेट सेशन, रिवर्स स्विंग पर साधा निशाना

कोलंबो

श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम ने कोलंबो में अपना आखिरी प्रैक्टिस सेशन पूरा किया। भारतीय बल्लेबाजों ने तय बैटिंग ऑर्डर के हिसाब से अभ्यास किया, जिसमें यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पड्डीकल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत शामिल रहे। सूखी और दरार वाली पिच पर खिलाड़ियों ने पुरानी व नई गेंद से रिवर्स स्विंग का सामना किया। कप्तान शुभमन गिल ने आकिब नबी और थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट के खिलाफ अभ्यास किया।

कप्तान गिल की स्पेशल प्रैक्टिस

कप्तान शुभमन गिल जानते थे कि सिर्फ एक तेज गेंदबाज से उन्हें उतनी प्रैक्टिस नहीं मिल पाएगी, जितनी उन्हें चाहिए, इसलिए वह थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट और बैटिंग कोच सितांशु कोटक के साथ प्रैक्टिस नेट्स पर गए। प्लान बिल्कुल आसान था। एक नई गेंद और दो थोड़ी पुरानी गेंदें, रिवर्स स्विंग का सामना करने के लिए तैयार रहना था। दाएं हाथ के बल्लेबाज को कई गेंदें फेंकी गईं और वे ज्यादातर गेंदों पर कंट्रोल में दिखे, सिवाय कुछ ऐसी गेंदों के जो अजीब तरह से उछलीं या थोड़ी नीची रहीं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय कोच का बड़ा दावा

वॉर्म-अप मैच की चौथे दिन की पिच जैसी दिखने वाली पिच पर भारतीय टीम मैनेजमेंट ने आने वाली सीरीज जैसे हालात बनाने की कोशिश की। पिच सूखी थी, उसमें काफी दरारें थीं और सिर्फ एक तरफ से बैटिंग करने का मतलब था कि जैसे-जैसे सेशन आगे बढ़ा टेस्ट मैच की तरह बैटिंग और मुश्किल होती गई। प्रैक्टिस में पुरानी, नई और थोड़ी पुरानी कई तरह की गेंदों का इस्तेमाल किया गया। खासकर नबी ने पूरे जोश के साथ बॉलिंग की, क्योंकि बाकी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा को कई दिनों तक चले मैच के बाद आराम दिया गया था।

गुरनूर बन सकते हैं भारत के 'एक्स फैक्टर': महरूफ

कोलकाता। भारत और श्रीलंका के बीच शनिवार से गॉल में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले श्रीलंका के पूर्व हरफनमौला फारवीज महरूफ ने युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को भारतीय टीम का संभावित 'एक्स फैक्टर' (तुरुप का इक्का) करार देते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में 26 साल के इस तेज गेंदबाज को टेस्ट पदार्पण का मौका दिया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से घरेलू श्रृंखला को 0-2 से गंवाने के बाद भारत डब्ल्यूटीसी तालिका में पांचवें स्थान पर है। टीम श्रीलंका के खिलाफ इस अहम श्रृंखला में चोटिल बुमराह के बिना उतरेगी। मोहम्मद सिराज के तेज आक्रमण की अगुवाई करने की उम्मीद है, जबकि अंतिम एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह गुरनूर बराड़ को मौका मिलने की चर्चा भी तेज है। महरूफ ने कहा कि पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग कराने की बुमराह की क्षमता भारत के लिए उनकी कमी काफी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, "बुमराह जिस तरह पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग कराते हैं, वह भारत के लिए बड़ा हथियार है और उनकी गैरमौजूदगी निश्चित रूप से महसूस होगी। विकेट निकालने की क्षमता में कमी आ सकती है। मोहम्मद सिराज बेहतरीन गेंदबाज हैं, लेकिन दोनों की तुलना करें तो अंतर साफ दिखाई देता है।

द हंड्रेड

मिशेल बने एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिशेल मार्श का बल्ला साल 2026 में जमकर चल रहा है, और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मिशेल मार्श ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 1500 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। मार्श ने यह उपलब्धि द हंड्रेड में सनराइजर्स लीड्स की तरफ से खेलते हुए हासिल की। हेडिंग्ले के लीड्स में वेल्श फायर के साथ खेले गए मुकाबले में मार्श ने 34 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली। इस अर्धशतकीय पारी की बदौलत इस साल उनके कुल टी20 रनों की संख्या 1502 हो गई और ऐसा करने वाले वह पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए।

मार्श की पारी

साल 2026 में मार्श ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 7 टी20 मैचों में 230 रन, आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए खेलते हुए 13 मैचों में 563 रन, बिग बैश लीग (बीबीएल) में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए 8 मैचों में 335 रन और द हंड्रेड के मौजूदा सीजन में 7 मैचों में 374 रन बना चुके हैं।

तोड़ा टिम डेविड का रिकॉर्ड

एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक टी20 रन बनाने टिम डेविड के रिकॉर्ड को मिशेल मार्श ने तोड़ा। डेविड ने 2022 में 13 टी20 मुकाबलों में अलग-अलग सात टीमों के लिए खेलते हुए 1461 रन बनाए थे। वह ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम के अलावा दुनिया भर की कई टी20 लीग में खेलते हैं। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी वाली क्षमता ने उन्हें लीग और फ्रेंचाइजियों का पसंदीदा बल्लेबाज बनाया है।

आईसीसी रैंकिंग

चामरी ने लगाई 5 पायदान की छलांग, 36वें नंबर पर पहुंची

दुबई

आईसीसी ने ताजा महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग जारी की है। श्रीलंकाई टीम की कप्तान चामरी अट्टापट्टू अपनी टीम को ऐतिहासिक सीरीज जीत में योगदान देने के बाद 5 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गई। वहीं इमेशा दुलानी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गईं।

संधू, शवाल और तुबा की रैंकिंग में शानदार सुधार

पाकिस्तानी महिला टीम की नाशरा संधू, शवाल जुल्फिकार और तुबा हसन की रैंकिंग में शानदार सुधार हुआ है। नाशरा संधू ने श्रीलंका के विरुद्ध तीसरे टी20 मैच में 17 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। संधू गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर ने इस सीरीज में 3 विकेट लिए और 6.72 का शानदार इकॉनमी रेट बनाए रखा। दूसरी तरफ, तुबा हसन गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की बढ़त के साथ 48वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

49वें नंबर पर पहुंची शवाल जुल्फिकार

पाकिस्तान की शवाल जुल्फिकार ने सीरीज में सर्वाधिक 132 रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ वह ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 49वें नंबर पर पहुंच गईं। इस बीच ऑलराउंडर्स की सूची में भी बदलाव देखने को मिला, जिसमें श्रीलंका की कविशा दिलहारी एक स्थान ऊपर चढ़कर 13वें नंबर पर पहुंच गईं। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सीरीज में सर्वाधिक विकेट लिए और फाइनल मैच में भी दो विकेट अपने नाम किए।

आरुष तिवारी ने एशियन ओपन फिगर स्केटिंग मेडल जीतकर इतिहास रचा

नई दिल्ली। दिल्ली पब्लिक स्कूल वसंतकुंज के 10वीं कक्षा के छात्र आरुष तिवारी ने शानदार उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने जकार्ता इंडोनेशिया में 1 से 5 अगस्त 2026 तक आयोजित 'एशियन ओपन फिगर स्केटिंग ट्रॉफी 2026' में सिल्वर मेडल जीतकर एक बार फिर भारत का नाम रोशन किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ आरुष लगातार दो वर्षों में एशियन ओपन फिगर स्केटिंग ट्रॉफी में मेडल जीतने वाले एकमात्र भारतीय फिगर स्केटर बन गए हैं। मनीला फिलीपींस में 'एशियन ओपन फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025' में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद वे 2026 में फिर से कॉन्टिनेंटल स्तर पर लौटे और सिल्वर मेडल जीतकर अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाया।

पुणे में 23 अगस्त तक चलेगी प्रतियोगिता, 30 टीमें लेंगी हिस्सा

आज से जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट, पूल डी में छत्तीसगढ़

नई दिल्ली

पुणे में बुधवार से शुरू होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 में तीन वर्गों में कुल 30 टीमें भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट 23 अगस्त तक चलेगा, जिसमें टीमों को डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी में रखा गया है। इस प्रतियोगिता में टीमें न केवल खिताब के लिए, बल्कि अपने से ऊपर वाले डिवीजन में पहुंचने का भी प्रयास करेंगी।

डिवीजन ए में 12 टीमें हैं, जिन्हें चार पूल में विभाजित किया गया है। पूल ए में झारखंड, पंजाब और चंडीगढ़, पूल बी में हरियाणा, ओडिशा और बंगाल, पूल सी में

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर तथा पूल डी में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

12 टीमें खिताब के लिए करेंगी प्रतिस्पर्धा

डिवीजन ए की 12 टीमें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चैंपियनशिप खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस डिवीजन में 11वें और 12वें स्थान पर रहने वाली टीमें अगली प्रतियोगिता के लिए डिवीजन बी में खिसक जाएंगी। डिवीजन बी में शामिल 10 टीमों को दो पूल में बांटा गया है। पूल ए में आंध्र प्रदेश, असम, दिल्ली, केरल और मिजोरम जबकि पूल बी में कर्नाटक, उत्तराखंड, तमिलनाडु, बिहार और गोवा शामिल हैं। इस डिवीजन की शीर्ष दो टीमें डिवीजन ए में पहुंच जाएंगी, जबकि सबसे नीचे की दो टीमें डिवीजन सी में खिसक जाएंगी।

सिंकफील्ड कप : कारुआना ने की पहले दौर में जीत हासिल

प्रज्ञानानंदा ने सेवियन से खेला आसान ड्रॉ

सेंट लुई

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड शतरंज टूर की प्रतियोगिता सिंकफील्ड कप के पहले दौर में अपने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी सैमुअल सेवियन के साथ आसान ड्रॉ खेला। इस वर्ष के टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारुआना 10 खिलाड़ियों के 9 दौर की इस प्रतियोगिता के पहले दौर में जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे, जिससे उन्होंने शुरुआती बढ़त बना ली है। उन्होंने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट को हराया।

सिंदारोव ने अरोनियन के साथ किया अंक साझा

विश्व चैंपियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने आर्मेनियाई मूल के अमेरिकी खिलाड़ी लेवोन अरोनियन के साथ अंक साझा किए, जबकि जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने अमेरिका के वेस्ली सो से बाजी ड्रॉ खेली। नीदरलैंड के अनीश गिरी ने भी फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला।

48 चाल के बाद बांटे अंक

प्रज्ञानानंदा के लिए यह एक अच्छी शुरुआत रही, क्योंकि उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए सेवियन के खिलाफ कोई गलती नहीं की। प्रज्ञानानंदा को बाजी ड्रॉ कराने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई क्योंकि अमेरिकी खिलाड़ी ने भी जोखिम उठाना उचित नहीं समझा। दोनों खिलाड़ी 48 चाल के बाद अंक बांटने पर सहमत हो गए। कारुआना ने फोरेस्ट को 55 चाल में हराकर एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब तक इस टूर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी क्यों हैं। उन्होंने अंतिम क्षणों में फोरेस्ट की गलती का फायदा उठाकर पूरे अंक हासिल किये।

आरडी बर्मन की बायोपिक में नजर नहीं आएंगे इमरान

मुंबई। आरडी बर्मन की बायोपिक को लेकर दर्शकों में उत्साह है। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म को स्टारकास्ट को लेकर खूब अटकलें लग रही हैं। बीते दिनों कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए गए कि अभिनेता इमरान हाशमी फिल्म से जुड़ गए हैं। वे पंचम दा के करीबी दोस्त और मशहूर एक्टर-सिंगर व कॉमेडियन महमूद की भूमिका निभाते नजर आएंगे। मगर, इन खबरों का इमरान ने खंडन कर दिया है। इमरान ने बीती रात अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि वे बायोपिक में काम नहीं कर रहे हैं। 'मैं साफ कर दूं कि एक बायोपिक में मेरे महमूद की भूमिका निभाने की खबरें सच नहीं हैं'।

लाइफ Style

कोमल

कोमल रानी स्वप्निल भारतीय सिनेमा में एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं, जो जल्द ही हिंदी फिल्म उद्योग में अपना बड़ा कदम रखने जा रही हैं। गोविंदा के साथ नाम जुड़ने से पहले मुख्यधारा के सिनेमाई दर्शकों के बीच उनकी कोई खास पहचान नहीं थी।

रूपा और दुनियादारी से बॉलीवुड में कदम

एजेंसी▶▶ नई दिल्ली

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कोमल मूल रूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं। हालांकि उनके शुरुआती जीवन, पारिवारिक पृष्ठभूमि, शिक्षा और सटीक उम्र को लेकर सार्वजनिक रूप से विश्वसनीय जानकारी उपलब्ध नहीं है। गोविंदा के साथ उनकी आगामी फिल्मों और बढ़ती नजदीकी के कारण ही वे अचानक से सुर्खियों में आई हैं। कोमल और गोविंदा के बीच की चर्चा का सबसे मुख्य कारण उनका व्यावसायिक जुड़ाव है। कोमल, गोविंदा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रूपा' में उनके साथ मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को गोविंदा के बड़े पर्दे पर वापसी के एक बड़े मौके के रूप में देखा जा रहा है। इसके अलावा मीडिया रिपोर्ट्स में कोमल का नाम गोविंदा के एक और आगामी प्रोजेक्ट 'दुनियादारी' से भी जोड़ा जा रहा है। एक साथ दो-दो फिल्मों में वरिष्ठ अभिनेता के साथ काम करने की खबरों ने दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही अफवाहों को और बल दिया है। इन दोनों के बीच अफेयर की खबरों ने तब तूल पकड़ा जब मुंबई एयरपोर्ट पर गोविंदा और कोमल को एक साथ देखा गया। एयरपोर्ट से सामने आई तस्वीरों और वीडियोज ने सोशल मीडिया पर यूजर्स का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लिया। इसके बाद से ही दोनों के रिश्ते को लेकर अफवाहों का दौर शुरू हो गया।

हॉलीवुड मसाला

जॉर्ज-अमल की तलाक की उड़ी अफवाह

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के दिग्गज एक्टर जॉर्ज क्लूनी और ह्यूमन राइट्स लॉयर अमल क्लूनी 12 साल से शादी के रिश्ते में हैं। 2014 में शादी के बाद से इस कपल की शादीशुदा जिंदगी खुशहाल रही है। इसके बावजूद दोनों के अलग होने की खबरें आग की तरह फैल रही हैं। हालांकि, ये अफवाहें पूरी तरह से झूठी हैं। इन अफवाहों की वजह एमा वॉटसन को बताया जा रहा है। रविवार को कुछ तस्वीरें सामने आईं जिनमें एमा वॉटसन को लेक कोमो में जॉर्ज और अमल क्लूनी के प्राइवेट घर पर आते हुए देखा गया।

बाल नकली हैं, लेकिन बेबी बंप असली है

लॉस एंजिल्स। 43 साल की उम्र में मां बनने जा रहीं एनी हाल ही में अपनी फिल्म 'द एंड ऑफ ओक स्ट्रीट' के प्रीमियर में नजर आईं, जहां उन्होंने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट किया। लेकिन सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनकी प्रेग्नेंसी को ही फेक बताना शुरू कर दिया। अब एनी ने ट्रोल्स को अपने अंदाज में करारा जवाब दिया है। वीडियो में जब स्टाइलिस्ट उनके बालों को पोनीटेल में सेट कर रही थीं, तब एनी ने मजाक में कहा, ये मेरे असली बाल नहीं हैं। इसके बाद उन्होंने वीडियो के कैप्शन में ट्रोल्स को जवाब देते हुए लिखा, 'बाल नकली हैं, लेकिन बेबी बंप असली है।' वर्कफ्रंट की बात करें तो एनी हैथवे हाल ही में निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' में नजर आई थीं।

सावन में महादेव की भक्ति में लीन हुए सितारे

मुंबई। पवित्र सावन मास चल रहा है। इसे विशेष रूप से भगवान शिव की आराधना का महीना माना जाता है। मंगलवार को सावन शिवरात्रि थी। लोग भोलेनाथ की भक्ति में लीन रहे। कई सितारों ने भी भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। कुछ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करके फैंस को बधाई दी है। अभिनेत्री निमरत कौर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे गुजरात के वेरा स्थित श्री गंगेश्वर महादेव मंदिर में पूजा करती दिख रही हैं। पारंपरिक ड्रेस में शिवलिंग की आराधना करते हुए अभिनेत्री ने तस्वीरें वीडियो साझा किए हैं। इसके साथ शुभकामना देते हुए निमरत ने लिखा है, 'महादेव का दिव्य आशीर्वाद हमारी सभी परेशानियों को दूर करे और हमें भीतर से मजबूत बनाए। सभी को सावन शिवरात्रि की शुभकामनाएं।

18 साल बाद साथ लौटे अक्षय और सैफ

नई दिल्ली। अभिनेता अक्षय कुमार और सैफ अली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'हैवान' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। मंगलवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए टीजर रिलीज डेट की जानकारी दी। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। दोनों लगभग 18 सालों के बाद स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर अपने और सैफ अली खान के लुक की तस्वीर पोस्ट की. इसके साथ उन्होंने लिखा, 'बदला ही मेरी वजह है, हर सांस उसका हथियार है। आप किसकी तरफ हो? हीरो हो या हैवान? हैवान का टीजर बुधवार को आएगा।' 'हैवान' एक दमदार थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। फिल्म का निर्माण कार्य केवीएन प्रोडक्शंस और द थिस्पियन फिल्म्स साथ मिलकर कर रहे हैं।

टीवी मसाला

रोहित कर रहे छोटे पर्दे पर डेब्यू, मचाएंगे धमाल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा टी20 और टेस्ट से संन्यास के बाद अपने नए शो से छोटे पर्दे पर डेब्यू कर रहे हैं। इसके साथ ही त्योहारी सीजन में अजय देवगन, माधुरी दीक्षित और एआर रहमान के नए शो भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के धाकड़ कप्तान रोहित शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 और टेस्ट क्रिकेट से विदाई लेने के बाद अब जीवन की एक नई पारी की ओर कदम बढ़ाया है। बल्ला थामकर गेंदबाजों के छक्के छुड़ाने वाले हिटमैन अब पहली बार एक नए अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। मीडिया जगत में हलचल मचाने वाली इस नई शुरुआत के साथ रोहित जल्द ही छोटे पर्दे पर अपने खुद के शो के जरिए आधिकारिक तौर पर मनोरंजन जगत में कदम रखने जा रहे हैं। हाल ही में सामने आई इस नई पहल की विस्तृत जानकारी को भले ही अभी गुप्त रखा गया हो, लेकिन सामने आई कुछ झलकियों ने प्रशंसकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है। शो से जुड़े एक दिलचस्प वीडियो में रोहित शर्मा अपने समर्थकों के साथ बातचीत करते दिखाई देते हैं। इस दौरान उनके प्रशंसक लगातार उनसे उनका प्रसिद्ध संवाद, 'कोई भी गार्डन में नहीं घूमेगा', दोहराने की गुजारिश करते हैं। बार-बार एक ही मांग से थोड़े असहज होकर रोहित वहां से चले जाते हैं। यह मजेदार पल शो के पूरे मनोरंजन पैकेज का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा भर है, जो यह संकेत देता है कि दर्शकों को मैदान से बाहर भी उनका एक अनोखा रूप देखने को मिलेगा।

केबीसी में सनी-आमिर के साथ बिग बी ने की मस्ती

नई दिल्ली। सनी देओल, आमिर खान, प्रीति जिंटा अपनी आने वाली फिल्म 'बटवारा 1947' के प्रमोशन के सिलसिले में 'केबीसी 18' में पहुंचे। लीड रोल में सनी देओल और प्रीति जिंटा हैं। वहीं, इसे आमिर खान प्रोडक्शन ने प्रोड्यूस किया है। वह तीनों सितारे 'केबीसी18' में बिग बी के साथ खूब हंसी-मजाक करते दिखे। प्रीति जिंटा 'केबीसी 18' की हॉट सीट पर बैठी थीं तो उन्होंने बिग बी से कहा, 'मेरे घर में आप सबसे ज्यादा फेमस हैं। मेरे बच्चे आपका वो गाना सुनते हैं, शेर वाला गाना, 'मेरे पास आओ मेरे दोस्तों'।' इस बात पर अमिताभ बच्चन हंस पड़ते हैं। वह कहते हैं, 'मैं इतने साल फिल्मों में काम किया, लेकिन कोई बच्चे मुझे केबीसीवाले बोलते हैं, केबीसीवाले अंकल। सनी देओल और आमिर खान के साथ भी अमिताभ बच्चन मस्ती और मजाक करते दिखे। शो शुरू होने से पहले का एक वीडियो मेकर्स ने सोशल मीडिया पर शेयर किया।

पुलिस कंपनी में हर्षवर्धन निभाएंगे दया नायक का किरदार

मुंबई। अंडरवर्ल्ड और डी-कंपनी फिल्मों के लिए मशहूर फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं उन्होंने एक्शन फिल्मों की तरफ फिर रुख कर लिया है। राम गोपाल वर्मा ने अपनी आने वाली फिल्म 'पुलिस कंपनी' का सोशल मीडिया पर ऐलान किया। दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म में पुलिस अधिकारी 'दया नायक' पर आधारित इस किरदार की भूमिका 'सनम तेरी कसम' से मशहूर हुए हर्षवर्धन राणे निभाएंगे। इससे पहले राम गोपाल वर्मा हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'पुलिस स्टेशन में भूत' पर काम कर रहे थे। मगर अब उन्होंने ऐलान कर दिया है कि वो फिर मुंबई अंडरवर्ल्ड की गलियों में कदम रखने को तैयार हैं। 'पुलिस कंपनी' 'डी कंपनी' से भी ज्यादा खतरनाक बताई जा रही है। 'डी कंपनी' एक अपराधी संगठन है जिसे दाऊद इब्राहिम ने शुरू किया था। राम गोपाल ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने फिल्म का नाम और कॉन्सेप्ट पर बात करते हुए लिखा, पुलिस एक संस्था है और अंडरवर्ल्ड कंपनी पैसा कमाने वाला संगठन। लेकिन जब किसी संस्था को अतिरिक्त शक्तियां दी जाती हैं, तो वह जल्द ही एक कंपनी बन जाती है।

हर्षवर्धन का लुक किया शेयर

यह बताते हुए कि 'पुलिस कंपनी' में कई कलाकार होंगे, राम गोपाल वर्मा ने इस प्रोजेक्ट के बारे में और जानकारी जल्द ही देने की बात कही। उन्होंने अलग-अलग पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म से हर्षवर्धन राणे का लुक भी दिखाया।

किस पर आधारित है 'पुलिस कंपनी'?

फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए फिल्ममेकर ने लिखा, 'दाऊद इब्राहिम द्वारा अपने ज्यादातर प्रतिद्वंद्वी गिरोहों को बेरहमी से खत्म करने के बाद, उसने अपने गिरोह को एक कंपनी में बदल दिया और फिर दुबई चला गया। उसने 'डी कंपनी' के कामकाज को संभालने की जिम्मेदारी अपने सहयोगी छोटे राजन को सौंप दी। उन्होंने याद करते हुए कहा, इसके बाद घटनाओं के एक सिलसिले के कारण दाऊद और राजन के बीच दरार आ गई, जिससे मुंबई अंडरवर्ल्ड में एक खालीपन पैदा हो गया। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए कई अन्य गिरोह शीर्ष स्थान पर अपना दावा करने के लिए मैदान में कूद पड़े, जिससे आपराधिक गतिविधियों में भारी उछाल आया। सिस्टम गिरोह की गतिविधियों को रोकने में पूरी तरह नाकाम हो रहा था, जिससे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार आदि जगहों से कई युवा अंडरवर्ल्ड कंपनियों में शामिल होने के लिए आकर्षित हो रहे थे। राम गोपाल आगे कहते हैं, 'घबराहट भरी स्थिति में, एक विशेष दस्ता बनाया गया, जिसने 1997 और 2004 के बीच 300 से ज्यादा गैंगस्टरों को मार गिराया। 'पुलिस कंपनी' उसी दस्ते से प्रेरित कहानी है और यह उसकी टीम के एक सदस्य दया नायक पर आधारित होगी, जिसका किरदार हर्षवर्धन राणे निभाएंगे।

फिल्म इंडस्ट्री में भंसाली ने पूरे किए 25 साल, लकी साबित हुई ये जोड़ी

मुंबई। दिग्गज निर्देशक संजय लीला भंसाली ने फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान उन्होंने 10 फिल्मों को डायरेक्ट किया है। वहीं उनकी 11वीं फिल्म अगले साल बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देने वाली है। इस फिल्म में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विकी कौशल होंगे।

100 करोड़ क्लब वाली फिल्में : दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की जोड़ी संजय लीला भंसाली के लिए लकी साबित हुई है। डायरेक्टर ने इस जोड़ी के साथ तीन फिल्में बनाई हैं और तीनों ने 100 करोड़ रुपए के क्लब में अपनी जगह बनाई है।

पद्मावत: दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर स्टारर इस पीरियड ड्रामा ने 302 करोड़ का कलेक्शन कर कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम किए थे।

बाजीराव मस्तानी: रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 185 करोड़ की शानदार कमाई की थी।

गंगूबाई काठियावाड़ी: आलिया भट्ट स्टारर इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस से 211.50 करोड़ ग्रॉस और भारत में 132.01 करोड़ नेट का बेहतरीन बिजनेस किया था।

गोलियों की रासलीला राम-लीला: रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की इस हिट फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 116 करोड़ कमाए थे।

क्लासिक फिल्में

देवदास (2002): शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित की इस आइकॉनिक फिल्म ने उस दौर में 42 करोड़ का कलेक्शन किया था।

हम दिल दे चुके सनम: सलमान खान, ऐश्वर्या राय और अजय देवगन स्टारर इस सुपरहिट फिल्म ने 25 करोड़ की कमाई की थी।

ब्लैक: अमिताभ बच्चन और रानी मुखर्जी के अभिनय से सजी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन करते हुए 21 करोड़ कमाए थे।

'कभी अलविदा ना कहना' से जुड़े अनसुने किस्से

फिल्म रिलीज के बाद हुए कई तलाक, कटा शाहरुख-रानी का इंटीमेट सीन

मुंबई। करण जौहर निर्देशित और शाहरुख खान, रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' को 20 साल पूरे हो चुके हैं। फिल्म को आज भी इसकी अलग तरह की कहानी और गीतों के लिए याद किया जाता है। 'कभी-कभी दोस्ती मोहब्बत की जगह ले लेती है और फिर मोहब्बत के लिए ही जगह नहीं रहती है' कुछ इन विचार में बैठी माया (रानी मुखर्जी) फिल्म के शुरुआती सीन में यह बात देव (शाहरुख खान) के किरदार से कहती है। फिल्म की कहानी में देव की शादी हो चुकी, माया शादी कर रही है। लेकिन आगे चलकर शादी-शुदा होने के बावजूद भी दोनों मिलते हैं और इनको प्यार हो जाता है। यह फिल्म प्यार के रिश्ते को बिल्कुल अलग ढंग से दिखाती है। आज भी यह कहानी दर्शकों को याद है। इस फिल्म के 20 साल पूरे होने के मौके पर जानिए, इससे जुड़े कुछ अनसुने किस्से।

करण को कहां से मिली कहानी की प्रेरणा?

फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' के निर्देशक करण जौहर थे। इस फिल्म की कहानी की प्रेरणा उन्हें अपने एक दोस्त की जिंदगी से मिली थी। साल 2004 में करण जौहर लंदन गए थे, एक पार्टी में अपने दोस्त से वह बात कर रहे थे, उन्होंने दोस्त की जिंदगी से जुड़ी एक कहानी को सुना और उससे प्रेरित हो गए। कहा जाता है कि फिल्म में देव (शाहरुख खान) की कहानी, करण जौहर के दोस्त की कहानी से मिलती है। इस कहानी को सुनते ही करण जौहर ने फिल्म बनाने का मन बना लिया था।

क्यों रानी नहीं थीं पहली पसंद? : फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' में रानी मुखर्जी ने माया का किरदार बड़ी खूबसूरती से निभाया था। लेकिन, इस रोल के लिए वह पहली पसंद नहीं थीं। यह रोल पहले करण जौहर ने काजोल को ऑफर किया था। लेकिन, उस वक्त काजोल फना फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थीं। ऐसे में यह फिल्म आगे चलकर रानी मुखर्जी को मिली।

फिल्म ने वर्ल्डवाइड किया था शानदार कलेक्शन

फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' को भारत के अलावा विदेशों में भी खूब प्यार मिला। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 60.28 करोड़ रुपए कमाए थे। जबकि वर्ल्डवाइड 113.29 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। फिल्म में रानी मुखर्जी, शाहरुख खान के अलावा अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन, प्रीति जिंटा जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे।

फिल्म से जुड़ी कुछ और खास बातें : फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' में शाहरुख खान के बेटे का एक किरदार था, जो एक चाइल्ड आर्टिस्ट ने निभाया था। यह चाइल्ड आर्टिस्ट अहजास चन्ना थी, जो कि एक लड़की थी। जबकि बड़े पर्दे पर वह एक लड़के का रोल निभाती दिखीं। फिल्म का प्रमोशन भी अलग तरीके से किया गया। फैंस ने 'मैरिड बट हैप्पी' जैसी बातें लिखी हुई टी-शर्ट पहनी थीं। फिल्म को करण जौहर ने न्यूयॉर्क में शूट किया था। इस फिल्म को वहां पर 90 दिन में शूट किया गया। वहीं, मुंबई में भी कुछ सीन फिल्माए गए।

क्या सच में फिल्म रिलीज होने के बाद हुए कई तलाक?

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में इस बात का जिक्र किया था कि फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' के बाद कई तलाक हुए थे। रानी ने इवेंट में कहा था, 'मुझे लगता है कि 'कभी अलविदा ना कहना' के बाद बहुत सारे तलाक हुए। बहुत सारे लोग थिएटर जा रहे थे और अपनी असुविधा के साथ फिल्म देख रहे थे।' वह आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि यह वह प्रतिक्रिया है जो करण को उनकी फिल्म के लिए मिली थी। मुझे लगता है कि इस फिल्म ने कई लोगों की आंखें खोल दीं और उन्होंने खुश होने का फैसला लिया।'

सीन कैंसिल किया गया : फिल्म में शाहरुख और रानी मुखर्जी के किरदार शादीशुदा थे, लेकिन दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है। कहानी के मुताबिक दोनों के बीच एक इंटीमेट सीन भी फिल्माया जाना था। सेट पर वह सीन शूट भी होने वाला था पर ऐन मौके पर करण जौहर को आदित्य चोपड़ा का फोन आया वह सीन स्क्रिप्ट से हटा दिया गया। इसे शूट ही नहीं किया गया। इस बारे में एक पुराने इंटरव्यू में करण जौहर कहते हैं, 'आदि ने मुझे फोन किया। वह बोले कि शाहरुख और रानी पर बोल्ड सीन नहीं फिल्माना चाहिए। उन्हें लगता था कि भारत में इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। हम दोनों के बीच फोन पर इस बात को लेकर बड़ा झगड़ा हुआ। मैंने बाद में जब मैंने इसके बारे में सोचा तो लगा कि वह सही थे। बता दें कि इस फिल्म के डिस्ट्रीब्यूशन का काम आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स ने संभाला था।

एक कदम ,एक यात्रा ,तिरंगा के सम्मान मै , भाजपा का हर घर तिरंगा अभियान

(यंग भारत न्यूज)

झांसी 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न सांगठनिक मंडलों में देशभक्ति एवं उत्साह के साथ भव्य तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। हाथों में राष्ट्रध्वज थामे हज़ारों युवाओं, आम नागरिकों, प्रबुद्ध जनों और स्कूली छात्र-छात्राओं के विशाल जनसमूह ने सड़कों पर उतरकर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों एवं देशभक्ति के तरानों से पूरा क्षेत्र राष्ट्रप्रेम के रंग में नजर आया।

सिविल लाइंस मंडल में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ शहीद पार्क झोकन बाग से नगर विधायक रवि शर्मा के नेतृत्व में हुआ। यात्रा के आरंभ में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक रवि शर्मा ने भारतीय ध्वज के ऐतिहासिक स्वरूपों और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसके क्रमिक विकास पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान महज एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, गौरव और एकजुटता की सामूहिक भावना को व्यक्त करने का माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताने की अपील की। उन्होंने बताया आजादी के आंदोलन में समय-समय पर ध्वज के स्वरूप बदलते रहे और अंततः स्वतंत्र भारत ने अशोक चक्र युक्त तिरंगे को इस अवसर पर प्रदीप सरावगी पूर्व जिलाध्यक्ष , मुकेश मिश्रा पूर्व जिलाध्यक्ष ,अभिषेक जैन मंडल प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष , मंडल अध्यक्ष अनुज नीखरा,सह मीडिया प्रभारी मोहित पोरवाल ,पार्षद लखन कुशवाहा, पार्षद सुनील नैनवानी, नीता यादव, सुशीला दुबे, स्वेता नामदेव, कमल सहगल ,ऊषा सेन, माला मल्होत्रा, अमन मिश्रा, विशाल ठाकुर, शिवा यादव, रीतेश साहू, अजय अहिरवार, मुकेश मौर्य, नीलेश त्रिपाठी, संतोष सेन, धीरज अग्रवाल, नीतेश तिवारी, विकास अहिरवार, सौरभ यादव, आदर्श राय, भगवान दास वर्मा ,अजय अहिरवार सहित बड़ी संख्या में महिला व पुरुष कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बड़ागांव मंडल में आयोजित तिरंगा यात्रा में बबीना विधायक राजीव सिंह पारीछा ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। विशाल जनसमूह और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा, 'तिरंगा केवल एक वस्त्र का टुकड़ा या मात्र एक ध्वज नहीं है, बल्कि यह भारत की आन, बान, शान और हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के सर्वोच्च त्याग की अमिट पहचान है। 'उन्होंने राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान को प्रत्येक नागरिक के मूल दायित्व से जोड़ते हुए आह्वान किया कि हर भारतीय को राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति सदैव अटूट आदर भाव बनाए रखना चाहिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला महामंत्री विकास कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष संजीव अग्रवाल 'लाला', अमर सिंह कुशवाहा, जिला मंत्री मीनू राजावत, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र अहिरवार, कार्यक्रम संयोजक हरिकृष्ण कुशवाहा सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बबीना विधानसभा के बरुआसागर मंडल में तिरंगा यात्रा का भव्य शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह द्वारा किया गया। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण 211 फीट लंबा विशालकाय तिरंगा रहा, जिसे हाथों में सैकड़ों विद्यार्थियों, युवाओं और स्थानीय निवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। यात्रा के सम्पन्न पर जिलाध्यक्ष ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक लोगों को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ना है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य कुलदीप विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष अमर सिंह कुशवाहा, जिला मंत्री मीनू राजावत, मंडल अध्यक्ष रूपेश नायक सहित मंडल के प्रमुख जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल रहे। शिवाजी नगर मंडल में आयोजित यात्रा में विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन,महापौर बिहारी लाल आर्य एवं अभियान संयोजक/पूर्व जिला महामंत्री अमित साहू ने मुख्य रूप से यात्रा को सर्वव्यापी बनाया ,जगह जगह व्यापारियों ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत ,मंडल अध्यक्ष दिलीप पुरी , जिला उपाध्यक्ष व मंडल प्रभारी संजीव अग्रवाल 'लाला' के संयोजन में निकली इस यात्रा में स्थानीय निवासियों एवं युवा कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और राष्ट्रभक्ति व सामाजिक समरसता का संदेश प्रसारित किया। सीपरी मंडल में तिरंगा यात्रा का आयोजन गौड़ बाबा मंदिर परिसर से नंदनपुरा चौराहे तक भव्यता के साथ किया गया। यात्रा मार्ग में स्थानीय नागरिकों द्वारा स्थान-स्थान पर पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया।

यात्रा में प्रमुख रूप से महापौर बिहारी लाल आर्य, जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह, वरिष्ठ नेता संजय दुबे, प्रेमनारायण साहू, विद्या दुबे, मंडल अध्यक्ष ऋषि सैनी, विनीत खटीक, विशाल रायकवार, दिनेश प्रताप सिंह 'बंटी राजा', प्रियांशु डे, संजीव तिवारी, संजीव पटेरिया, मनोज श्रीवास्तव, गौरव तिवारी तथा प्रीति माहौर सहित वरिष्ठ पदाधिकारी व प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

भाजपा जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक संपन्न, डिजिटल लर्निंग अभियान पर दिया जोर

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार आज भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यकारिणी की मासिक 'टिफिन बैठक' का आयोजन स्थानीय भाजपा कार्यालय में गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यों की रूपरेखा तैयार करते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मंच पर रहे वरिष्ठ पदाधिकारी

बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने की। मंच पर उनके साथ जिला महामंत्री विनोद नायक एवं जिला महामंत्री अरविंद राजपूत, अमित साहू निवर्तमान महामंत्री एवं संयोजक तिरंगा यात्रा अभियान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।बैठक को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने संगठन की मजबूती के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की और आगे की कार्ययोजना साझा की,डिजिटल लर्निंग अभियान प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए इस अभियान के तहत प्रशिक्षण लेना अनिवार्य किया गया है।सरल ऐप पर प्रशिक्षण,बूथ स्तर पर संयोजकों को बैठकें आयोजित कर सभी कार्यकर्ताओं को 'सरल ऐप' का प्रशिक्षण दिलाना होगा। साथ ही, प्रत्येक बूथ पर कम से कम 25 व्यक्तियों को प्रशिक्षित कर उनके सर्टिफिकेट डाउनलोड कराने और इसकी रिपोर्ट जिला मुख्यालय पर जमा करने के निर्देश दिए गए।मासिक बैठक एवं कार्रवाई रजिस्टर: प्रत्येक शक्ति केंद्र और प्रत्येक बूथ पर मासिक बैठक का कार्रवाई रजिस्टर अनिवार्य रूप से तैयार किया जाएगा। शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रभारी और शक्ति केंद्र प्रवासी की उपस्थिति में शत-प्रतिशत बूथ अध्यक्षों के साथ ये बैठकें संपन्न कराई जाएंगी।'मन की बात' और पन्ना प्रमुख: आवंटित बूथों पर प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम के प्रसारण और बूथ समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही प्रत्येक बूथ पर पन्ना प्रमुख नियुक्त करने और वोटर्स की अद्यतन (अपडेटेड) सूची तैयार करने पर बल दिया गया। सभी पदाधिकारियों से अपने-अपने आवंटित बूथों पर प्रवास करने का आग्रह भी किया गया। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की रही गरिमामयी उपस्थितिबैठक में संगठन के प्रति एकजुटता दिखाते हुए भारी संख्या में पदाधिकारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से अभिषेक जैन, मीनू राजावत, अंकित राजा यादव, विनीत खटीक, मोहित पोरवाल,चेतन ओझा, मनोज श्रीवास, मंगल श्रीवास्तव, कपिल बिरसेनिया, कमलेश परिहार, पलविंदर सिंह,मुकुल द्विवेदी,सौरभ बाजपेयी,धीरज गोस्वामी,राहुल कुर्ली ,नीरजा गुप्ता , श्वेता पराशर, सीमा शर्मा , श्यामली सिंह,श्वेता नामदेव,किरण गौतम ,नूपुर पाठक ,कुसुम साहू ,कविता शर्मा,ममता चौरसिया,सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए।बैठक के समापन पर जिला महामंत्री विनोद नायक ने कार्यक्रम में आए हुए सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया ।

सामाजिक संदेश -स्वच्छता केवल एक कार्य नहीं, बल्कि हमारे महापुरुषों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : सुधीर सिंह

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। भाजपा जिलाध्यक्ष माननीय सुधीर सिंह के नेतृत्व में आज 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत विशेष स्वच्छता एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम अटल एकता पार्क में श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न परम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा परिसर एवं अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा परिसर की सफाई कर देश के महान प्रांतर जननायक को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। जिलाध्यक्ष ने दिया सामाजिक संदेश -स्वच्छता केवल एक कार्य नहीं, बल्कि हमारे महापुरुषों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि और राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य है। आइए, अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखकर एक समृद्ध और स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान दें इस अवसर पर अभिषेक जैन जिला उपाध्यक्ष ,मोहित पोरवाल सह मीडिया प्रभारी ,लखन कुशवाहा ,विशाल ठाकुर , आदर्श राय एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे

बुंदेलखंड में जल, भूमि और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में भू-स्थानिक तकनीकें निभाएंगी महत्वपूर्ण भूमिका - डॉ. सुरेश कुमार

-भू-स्थानिक तकनीकें विकास और संसाधन प्रबंधन का महत्वपूर्ण आधार - कुलपति प्रो. अशोक कुमार सिंह

-विश्व दूरसंवेदी दिवस पर रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र का शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। आज रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी में विश्व दूरसंवेदी दिवस के अवसर पर बुधवार को बहुउद्देशीय सभागार, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीजीएसटी) का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कुलपति प्रो. अशोक कुमार सिंह एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुरेश कुमार, समूह निदेशक (एएसएफई), भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), देहरादून ने दीप प्रज्ज्वलित कर केंद्र का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' से हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि आज के समय में भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास, योजना निर्माण और प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। दूरसंवेदी तकनीक, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस), उपग्रह आधारित आँकड़े तथा अन्य आधुनिक तकनीकें कृषि, वानिकी, जल संसाधन और पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान में प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड जैसे भौगोलिक एवं प्राकृतिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में जल, भूमि, कृषि एवं प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए भू-स्थानिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा सकता है। इससे कृषि योजना, संसाधन मानचित्रण, फसल आकलन, जल संरक्षण तथा पर्यावरणीय निगरानी को अधिक वैज्ञानिक एवं प्रभावी बनाया जा सकेगा। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह केंद्र विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के साथ-साथ बुंदेलखंड की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, अनुसंधान और क्षेत्रीय विकास के बीच समन्वय स्थापित करने में यह केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि दूरसंवेदी एवं भू-स्थानिक तकनीकों का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। आज उपग्रह आधारित दूरसंवेदी तकनीक, जीआईएस, ड्रोन तथा भू-स्थानिक आँकड़ा विश्लेषण के माध्यम से कृषि एवं प्राकृतिक संसाधनों की वास्तविक स्थिति का वैज्ञानिक आकलन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों का उपयोग भूमि उपयोग एवं भूमि आवरण मानचित्रण, फसल क्षेत्र एवं उत्पादन के आकलन, जल संसाधन प्रबंधन, वन क्षेत्र की निगरानी, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरणीय परिवर्तनों के अध्ययन में प्रभावी रूप से किया जा रहा है। डॉ. सुरेश कुमार ने कहा कि भू-स्थानिक तकनीकें अब केवल प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिक अनुसंधान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीनी समस्याओं की पहचान, उनके वैज्ञानिक समाधान और बेहतर निर्णय लेने का प्रभावी माध्यम बन चुकी हैं। उन्होंने विशेष रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र में जल संकट, भूमि प्रबंधन, कृषि उत्पादकता, वन संसाधनों एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित समस्याओं के समाधान में इन तकनीकों के व्यापक उपयोग की संभावनाओं पर बल दिया।उन्होंने विश्वविद्यालय में भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के शुभारंभ को शिक्षा, अनुसंधान और क्षेत्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए विश्वविद्यालय को शुभकामनाएँ दीं। उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों का कृषि, वानिकी एवं अन्य संबद्ध क्षेत्रों के साथ समन्वय विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि नवस्थापित केंद्र के माध्यम से क्षेत्रीय समस्याओं पर तकनीक आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा तथा विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने केंद्र की स्थापना को विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए इसके सफल संचालन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. मनमोहन डोबरियाल, विभागाध्यक्ष एवं सह-अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए केंद्र की स्थापना एवं अब तक की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पहल वर्ष 2021 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के अंतर्गत प्राप्त वित्तीय सहायता से एक प्रयोगशाला के रूप में प्रारंभ हुई थी। इस प्रयोगशाला के माध्यम से दूरसंवेदी एवं भू-स्थानिक तकनीकों से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम संचालित किए गए। इनमें वन अधिकारियों के कौशल विकास, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के प्रशिक्षण तथा विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम प्रमुख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों से प्राप्त अनुभव एवं उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए प्रयोगशाला को अब भू-स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

18 विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को प्रदान किए गए प्रमाण-पत्र

कार्यक्रम के दौरान दूरसंवेदी एवं भू-स्थानिक तकनीक तथा उनके अनुप्रयोग से संबंधित प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले 18 विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त दूरसंवेदी एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम तथा आईआईआरएस के आउटरीच एवं ईडीयूएसएटी पाठ्यक्रमों से संबंधित प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अपने शैक्षणिक एवं शोध कार्यों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग को समझने का अवसर मिला। विवि के डॉ. पवन कुमार, सहायक प्राध्यापक, को आईआईआरएस, इसरो के ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वयन के लिए सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, साथ ही, सेंटर ऑफ जियोस्पेशियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रभारी के रूप में डॉ. पवन कुमार को केंद्र की शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं तकनीकी गतिविधियों के समन्वय एवं संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बुंवि का 31वां दीक्षांत समारोह 13 अगस्त को

-राज्यपाल की अध्यक्षता में प्रो. नागेश्वर राव होंगे मुख्य अतिथि

-35 कुलाधिपति पदक और 46 विन्यासीकृत पदक होंगे प्रदान

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी का 31वां दीक्षांत समारोह 13 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समारोह के आयोजन के लिए अनुमति प्रदान कर दी है। समारोह में उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय बुंदेलखंड क्षेत्र के सात जिलों में पिछले 50 वर्षों से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से ए++ ग्रेड प्राप्त है। विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत एमईआरयू के लिए चयनित उत्कृष्ट विश्वविद्यालय भी है। विश्वविद्यालय से बुंदेलखंड क्षेत्र के सात जिलों के लगभग 390 महाविद्यालय संबद्ध हैं, जिनमें 3 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय परिसर में 9 संकायों के 27 विभागों में 100 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, जिनमें लगभग 10 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान को एनआईआरएफ में 68वीं रैंक प्राप्त है। वहीं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से बुंदेलखंड विश्वविद्यालय को श्रेणी-एक (कैटेगरी-वन) का दर्जा प्राप्त है। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, कार्यकारी समिति, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद एवं कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय होंगे। वे उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दीक्षांत अभिभाषण से संबोधित करेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। भीलवाड़ा, राजस्थान के पिचवाई चित्रकार दिनेश सोनी को पिचवाई कला के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डी.लिट. की मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

35 कुलाधिपति पदक-वर्ष 2026 में कुल 35 कुलाधिपति पदक प्रदान किए जाएंगे। इनमें 1 स्वर्ण, 16 रजत और 18 कांस्य पदक शामिल हैं। स्वर्ण पदक पाने वालों में 1 महिला और कोई पुरुष नहीं है। रजत पदकों में 15 महिलाएं और 1 पुरुष, जबकि कांस्य पदकों में 12 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं। कुल मिलाकर 35 पदकों में 28 महिलाएं और 7 पुरुष हैं। महिलाओं की भागीदारी 80 प्रतिशत और पुरुषों की 20 प्रतिशत है। इसके अलावा 46 विन्यासीकृत पदक प्रदान किए जाएंगे। इनमें 37 महिलाएं और 9 पुरुष शामिल हैं। इन पदक प्राप्तकर्ताओं में महिलाओं की भागीदारी 80.40 प्रतिशत तथा पुरुषों की 19.60 प्रतिशत है। 34,947 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां-वर्ष 2026 में कुल 34,947 उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 29,919 स्नातक, 4,945 परास्नातक तथा 83 पीएचडी उपाधियां शामिल हैं। स्नातक उपाधियों में 16,949 महिलाएं और 12,970 पुरुष, परास्नातक में 3,300 महिलाएं और 1,645 पुरुष, जबकि पीएचडी में 46 महिलाएं और 37 पुरुष शामिल हैं। कुल मिलाकर 20,295 महिलाओं और 14,652 पुरुषों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। कुल उपाधि प्राप्तकर्ताओं में महिलाओं की भागीदारी 58.07 प्रतिशत और पुरुषों की 41.93 प्रतिशत है। विभागवार आंकड़ों के अनुसार उपाधि प्राप्त करने वालों में विज्ञान संकाय के 38, वाणिज्य संकाय के 14, विधि संकाय के 4, शिक्षा संकाय के 8 तथा कृषि संकाय के 1 विद्यार्थी शामिल हैं। समारोह को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

सर्वर की समस्या से ठप पड़ी सिटी स्कैन सेवा, मरीजों को बाहर जांच कराने की मजबूरी

-सरकारी अस्पताल में लाखों की लागत से लगी मशीन का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा मरीजों को

-सीएमएस डा. जे. जे. राम ने कहा एक सप्ताह के अंदर समस्या का हो जायेगा हल

(यंग भारत न्यूज)

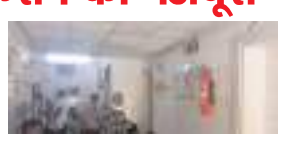

उरई (जालौन)। जिला मुख्यालय स्थित पुरुष अस्पताल के बी-ब्लॉक में सरकार की ओर से लाखों रुपये की लागत से सिटी स्कैन मशीन स्थापित की गई है, ताकि दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को अस्पताल में ही निशुल्क सिटी स्कैन की सुविधा मिल सके। लेकिन पिछले काफी दिनों से मशीन की सेवा प्रभावित होने के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, सिटी स्कैन मशीन का सर्वर नहीं आने की वजह से जांच प्रभावित हो रही है। इसके चलते अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को कई बार बिना जांच कराए ही लौटना पड़ता है और मजबूरी में निजी जांच केंद्रों पर सिटी स्कैन करवाना पड़ रहा है। निजी सेंटरों पर जांच कराने में मरीजों को बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों और उनके परिजनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। मरीजों का कहना है कि सरकार की ओर से अस्पताल में निशुल्क सिटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध कराए जाने का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद मरीजों को राहत देना है, लेकिन सेवा नियमित रूप से संचालित न होने के कारण उन्हें इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को जांच के लिए बार-बार अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इस संबंध में जिला अस्पताल उरई के सीएमएस डा. जे. जे. राम से बात की तो उनका कहना था कि इस समस्या को लेकर नोएडा की कंपनी व जिलाधिकारी को पत्र लिखा जा चुका है तथा एक सप्ताह के अंदर सिटी स्कैन के सर्वर की समस्या हल हो जाएगी। जबकि सिटी स्कैन कक्ष में कार्यरत कर्मचारी से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि सर्वर की समस्या के कारण परेशानी आ रही है। उनका कहना था कि जब सिटी स्कैन मशीन का सर्वर आ जाता है, तब आने वाले मरीजों की जांच कर दी जाती है। मरीजों और तीमारदारों ने अस्पताल प्रशासन से मांग की है कि सिटी स्कैन सेवा को नियमित रूप से संचालित कराने के लिए सर्वर की समस्या का जल्द समाधान कराया जाए, ताकि सरकारी अस्पताल में मिलने वाली निशुल्क जांच सुविधा का लाभ जरूरतमंद मरीजों को मिल सके।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718